घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 48- गुरूवार 18- दिसम्बर 2025,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2023-2025

नेशनल हेराल्ड मामले में अदालत के फैसले के बाद विपक्षी सांसदों ने किया संसद भवन परिसर में प्रदर्शन

कृषि मंत्री शिवराज बोले...बिल में रोजगार 100 दिन से बढ़ाकर 125 दिन किया,परमाणु ऊर्जा बिल पास

नई दिल्ली,17 दिसम्बर 2025। लोकसभा में बुधवार शाम 5.40 बजे से 'विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) यानी (विकसित भारत-जी राम जी) बिल, 2025' पर भी शाम 5.40 बजे से चर्चा शुरू हुई।

कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि विपक्ष से आग्रह है वह चर्चा के बाद उनका जवाब जरूर सुने। उन्होंने कहा कि इस बिल में गांवों में हर साल रोजगार 100 दिन से बढ़ाकर 125 दिन करने की गारंटी दी गई है। यह बिल गांवों को गरीबी मुक्त बनाएगा। इसके पहले लोकसभा ने लोकसभा में 'सस्टेनेबल हार्नेसिंग ऑफ एटॉमिक एनर्जी फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया बिल' पास कर दिया।

लोकसभा में सस्टेनेबल हार्नेसिंग ऑफ एटॉमिक एनर्जी फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया बिल पास,विपक्ष का वॉक आउट

लोकसभा में सस्टेनेबल हार्नेसिंग ऑफ एटॉमिक एनर्जी फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया बिल विपक्ष के वॉकआउट के बीच ध्वनिमत (वॉयस वोट) से पारित कर दिया गया। इसमें परमाणु क्षेत्र को निजी भागीदारी के लिए खोलने का प्रावधान है। परमाणु ऊर्जा राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने बिल पर चर्चा का जवाब दिया। डॉ. सिंह ने कहा कि यह बिल देश की विकास यात्रा को नई दिशा देगा।दुनिया में भारत की भूमिका बढ़ रही है। यदि हमें वैश्विक स्तर पर एक प्रमुख खिलाड़ी बनना है, तो हमें वैश्विक मानकों और वैश्विक रणनीतियों का पालन करना होगा। वहीं विपक्ष का कहना है कि इस बिल ने सिविल लाइबिलिटी फॉर न्यूक्लियर डैमेज एक्ट,2010 के प्रावधानों को कमजोर कर दिया है,जिसके तहत किसी परमाणु दुर्घटना की स्थिति में परमाणु उपकरणों के आपूर्तिकर्ताओं पर भी दायित्व तय किया गया था।

राज्यसभा में सबका बीमा सबकी रक्षा बिल पास

राज्यसभा में बुधवार शाम सबका बीमा सबकी रक्षा (बीमा कानून में संशोधन) बिल 2025 ध्वनिमत से पास कर दिया गया। यह बिल लोकसभा में मंगलवार को ही पास हो गया है। इसमें बीमा क्षेत्र में विदेशी निवेश 74 फीसदी से बढ़ाकर 100 फीसदी करने का प्रस्ताव है।

राज्यसभा में निरसन और संशोधन बिल पारित

निरसन और संशोधन बिल पारित हो गया। इसमें 71 ऐसे कानून जिनकी जरुरत नहीं रह गई है उन्हें खत्म कर दिया गया है।राज्यसभा में निरसन एवं संशोधन बिल, 2025 को पेश करते हुए केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि इसका उद्देश्य पुराने कानूनों को हटाना, कानून निर्माण प्रक्रिया के दौरान रह गई त्रुटियों को दूर करना और कुछ कानूनों के भेदभावपूर्ण पहलुओं को समाप्त करना है। विधेयक राज्यसभा में ध्वनि मत से पारित हो गया। इससे पहले मंगलवार को लोकसभा ने इसे मंजूरी दे दी थी।

परमाणु ऊर्जा से जुड़ा विधेयक लोकसभा से पारित

लोकसभा में देश की कुल ऊर्जा जरूरतों में परमाणु ऊर्जा की भागीदारी बढ़ाने से जुड़ा विधेयक बुधवार को ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। विधेयक निजी क्षेत्र के द्वार नाभिकीय ऊर्जा क्षेत्र के लिए खोलेगा। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने आज सतत दोहन और भारत के रुपांतरण के लिए नाभिकीय ऊर्जा का संधारणीय दोहन एवं अभिवर्धन विधेयक, 2025 या शांति विधेयक (सस्टेनेबल हार्नेसिंग एंड एडवांसमेंट का न्यूक्लियर एनर्जी फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया) विचार एवं पारित करने के लिए पेश किया।

नेशनल हेराल्ड केस सिर्फ बदले के लिए,गांधी परिवार को सताया जा रहा : खड़गे

नई दिल्ली,17 दिसम्बर 2025। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को नेशनल हेराल्ड मामले पर दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए भाजपा सरकार पर तीखा हमला किया। खड़गे ने कहा- नेशनल हेराल्ड केस सिर्फ राजनीतिक बदले की भावना से प्रेरित है। खड़गे ने कहा- नेशनल हेराल्ड अखबार की स्थापना 1938 में स्वतंत्रता सेनानियों ने की थी, लेकिन ये लोग (भाजपा) सीबीआई और ईडी जैसी एजेंसियों का इस्तेमाल करके कांग्रेस नेताओं को बदनाम कर रहे हैं। खासकर गांधी परिवार को सताया जा रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष ने आगे कहा- इस मामले में कोई एफआईआर दर्ज नहीं की गई। किसी की शिकायत मात्र से जांच शुरू कर दी। हमारा नारा है, सत्यमेव जयते। कल कोर्ट का फैसला न्याय के हित में आया है। कोर्ट का फैसला पीएम नरेंद्र मोदी और शाह के मुंह पर थप्पड़ जैसा है। दिल्ली के कोर्ट ने मंगलवार को नेशनल हेराल्ड केस में सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ ईडी की चार्जशीट पर संज्ञान लेने से इनकार कर दिया था।

केंद्र सरकार ने अश्लील सामग्री के कारण 43 ओटीटी प्लेटफॉर्म पर लगाया प्रतिबंध

नई दिल्ली,17 दिसम्बर 2025। केंद्र सरकार ने अश्लील सामग्री प्रसारित करने के आरोप में 43 ओवर-द-टॉप (ओटीटी) प्लेटफॉर्म पर भारत में प्रतिबंध लगा दिया है। सूचना एवं प्रसारण राज्यमंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने बुधवार को लोकसभा में लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। मंत्री ने बताया कि सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 और सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यस्थ दिशानिर्देश एवं डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021 के तहत डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अवैध, अश्लील और आपत्तिजनक सामग्री के प्रसारण को रोकने के लिए सख्त कानूनी ढांचा मौजूद है। इन नियमों के तहत ओटीटी प्लेटफॉर्म को किसी भी ऐसे कंटेंट का प्रसारण न करने का दायित्व है, जो कानूनन प्रतिबंधित हो। डॉ. मुरुगन ने बताया कि आईटी नियम, 2021 के भाग-III में डिजिटल समाचार प्रकाशकों और ऑनलाइन क्यूरेटेड कंटेंट (ओटीटी) के लिए आचार संहिता का प्रावधान है। इसके अंतर्गत आयु-आधारित वर्गीकरण, शिकायत निवारण के लिए तीन-स्तरीय तंत्र तथा अवैध सामग्री हटाने की समय-सीमा तय की गई है। नियमों के उल्लंघन पर मध्यस्थों को आईटी अधिनियम की धारा 79 के तहत मिलने वाली छूट भी समाप्त हो सकती है। एक अन्य प्रश्न पर मंत्री ने बताया कि केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) सिनेमैटोग्राफ अधिनियम, 1952 के तहत फिल्मों के प्रमाणन के लिए गठित वैधानिक संस्था है और ओटीटी कंटेंट को इसके दायरे में लाने का फिलहाल कोई प्रस्ताव नहीं है। ओटीटी सामग्री का विनियमन आईटी नियम, 2021 के तहत ही किया जा रहा है। सरकार ने कहा कि भारतीय न्याय संहिता, 2023 के प्रावधान ऑनलाइन अश्लीलता, गलत सूचना और साइबर अपराधों पर कार्रवाई को और मजबूत करते हैं।

हिजाब विवाद...पाकिस्तानी डॉन ने वीडियो जारी कर मुख्यमंत्री नीतीश को दी धमकी,कहा...माफी मानगो वरना

पटना,17 दिसम्बर 2025। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से जुड़ा हिजाब विवाद अब अंतरराष्ट्रीय सुर्खियों में आ गया है। एक सरकारी कार्यक्रम के दौरान मुस्लिम महिला डॉक्टर के साथ कथित व्यवहार को लेकर पाकिस्तान के कुख्यात आतंकी और डॉन शहजाद भट्टी ने मुख्यमंत्री को खुली धमकी दी है। इस धमकी के बाद बिहार पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। दरअसल, 15 दिसंबर को मुख्यमंत्री सचिवालय 'संवाद' में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार लगभग एक हजार नवनियुक्त आयुष डॉक्टरों को नियुक्ति पत्र सौंप रहे थे। इसी दौरान एक महिला डॉक्टर हिजाब पहनकर मंच पर पहुंचीं। वायरल वीडियो में दावा किया जा रहा है कि नियुक्ति पत्र देते समय मुख्यमंत्री ने आपत्ति जताई और कथित तौर पर हिजाब हटाने की कोशिश की। इस घटना के बाद महिला डॉक्टर असहज नजर आईं और अधिकारियों ने उन्हें मंच से हटाया। वीडियो सामने आते ही राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई।

इथियोपिया शेरों की धरती,हमारे संबंध 2000 साल पुराने हैं : पीएम मोदी

पीएम को देश का सर्वोच्च सम्मान दिया गया,इसे पाने वाले पहले ग्लोबल लीडर

अदीस अबाबा,17 दिसम्बर 2025। प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को इथियोपिया की संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित किया। यह दुनिया की 18वीं संसद है, जहां प्रधानमंत्री मोदी ने भाषण दिया। मोदी ने कहा कि मुझे इथियोपिया आकर बहुत अच्छा लग रहा है। यह शेरों की धरती है। यहां मुझे अपने घर जैसा महसूस हो रहा है, क्योंकि मेरा गृहराज्य गुजरात भी शेरों की धरती है। इससे पहले इथियोपिया के पीएम अबी अहमद अली ने मंगलवार को मोदी को देश का सर्वोच्च सम्मान दिया था। वे 'द ग्रेट ऑनर निशां ऑफ इथियोपिया' पाने वाले पहले ग्लोबल लीडर बने। इथियोपिया की संसद के संयुक्त सत्र में संबोधन खत्म करते ही सांसदों ने मोदी के लिए खड़े होकर तालियां बजाई।

मोदी बोले...भारतीय कंपनियां इथियोपिया की सबसे बड़ी इंवेस्टर

मोदी ने कहा,'भारतीय कंपनियां इथियोपिया में सबसे बड़े इंवेस्टर्स में से हैं। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में 5 अरब डॉलर (45 हजार करोड़ रुपए) से अधिक का निवेश किया है। 75,000 से अधिक रोजगार पैदा किए हैं। हमने भारत-इथियोपिया द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने का निर्णय लिया है।' पीएम मोदी ने इथियोपियाई प्रधानमंत्री अबी अहमद अली को इथियोपिया का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ग्रेट ऑनर निशान ऑफ इथियोपिया' प्रदान करने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि वे यह सम्मान भारत के लोगों की ओर से स्वीकार करते हैं। इथियोपिया को दुनिया की सबसे प्राचीन सभ्यताओं में से एक बताते हुए पीएम मोदी ने कहा कि इसका इतिहास इसके पहाड़ों, घाटियों और लोगों के दिलों में जीवित है।

इथियोपिया के राष्ट्रगीत की भारत के राष्ट्रगान से तुलना की : मोदी ने कहा,'भारत का राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' और इथियोपिया का राष्ट्रगान दोनों में हमारी धरती को मां के रूप में देखा गया है। ये हमें अपनी विरासत, संस्कृति और सुंदरता पर गर्व करना सिखाते हैं और मातृभूमि की रक्षा के लिए प्रेरित करते हैं।'

भारत ने इथियोपिया को कोविड में 40 लाख टीके दिए

मोदी ने कहा, 'कोविड-19 के दौरान भारत ने 150 से अधिक देशों को दवाएं और टीके भेजे। इथियोपिया को 40 लाख से अधिक टीके की खुराक की आपूर्ति करना भारत के लिए गर्व की बात थी।'

मोदी बोले- भारत डिजिटल सुविधाओं में आगे

मोदी ने कहा, 'भारत में हमने अपना पब्लिक डिजिटल इंफ्रास्ट्रचर बनाया है। यह लोगों तक सरकारी सेवाओं की पहुंचने के तरीके में बदलाव लेकर आया है। आज भारत में लगभग हर आदमी पेमेंट, पहचान, सरकारी सुविधा के लिए डिजिटल तरीकों का इस्तेमाल कर रहा है। दुनिया के आधे से ज्यादा डिजिटल पेमेंट भारत में हो रहे हैं।

मोदी बोले...इथियोपिया शेरों की धरती

प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को इथियोपिया की संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित किया। मोदी ने कहा कि उन्हें इथियोपिया आकर बहुत अच्छा लग रहा है। यह शेरों की धरती है। यहां उन्हें अपने घर जैसा महसूस हो रहा है, क्योंकि उनका गृहराज्य गुजरात भी शेरों की धरती है।

मोदी बोले...इथियोपिया-भारत के 2000 साल पुराने संबंध

भारत और इथियोपिया जलवायु और भावना दोनों में एक दूसरे के साथ विचार साझा करते हैं। लगभग 2000 साल पहले,हमारे पूर्वजों ने संबंध स्थापित किए थे। हिंद महासागर के पार व्यापारी मसालों और सोने का व्यापार करते थे, लेकिन वे केवल वस्तुओं का ही व्यापार नहीं करते थे,वे विचारों और जीवन शैली का भी आदान-प्रदान करते थे। अदीस और धोलेरा जैसे बंदरगाह न केवल व्यापार केंद्र थे, बल्कि सभ्यताओं के बीच सेतु भी थे। आधुनिक समय में, हमारा संबंध एक नए युग में प्रवेश कर रहा है। 1941 में इथियोपिया की मुक्ति के लिए भारतीय सैनिकों ने इथियोपियाई लोगों के साथ मिलकर लड़ाई लड़ी थी।

मोदी ने इथियोपिया को शुभकामनाएं दीं...

पीएम मोदी ने 1.4 अरब भारतीयों की ओर से इथियोपिया को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने इथियोपिया की संसद,वहां के लोगों और उनकी लोकतांत्रिक यात्रा के लिए सम्मान जताया। मोदी ने कहा कि जब लोगों की चाहत और सरकार की सोच एक जैसी होती है, और दोनों मिलकर आगे बढ़ते हैं, तो देश विकास के रास्ते पर उम्मीद और लक्ष्य के साथ तेजी से आगे बढ़ता है।

प्रदूषण के चलते दिल्ली सरकार का बड़ा ऐलान...मजदूरों को मिलेगा,10000 का मुआवजा,दफ्तरों में 50% वर्क फ्रॉम होम

नई दिल्ली,17 दिसम्बर 2025। दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में बढ़ते वायु प्रदूषण के कारण राष्ट्रीय राजधानी में गंभीर प्रतिबंधों वाला ग्रैप का चौथा चरण लागू है। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए, दिल्ली सरकार ने प्रभावित मजदूरों को आर्थिक सहायता देने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। पंजीकृत मजदूरों को 10,000 की आर्थिक सहायता सीधे उनके बैंक खातों में प्रदान की जाएगी। प्रदूषण के स्तर में खतरनाक वृद्धि के मद्देनजर, ग्रैप के चौथे चरण के तहत कई कड़े कदम उठाए गए हैं। दिल्ली सरकार ने सभी सरकारी और निजी कार्यालयों में 50% कर्मचारियों के लिए 'वर्क फ्रॉम होम' (घर से काम) को अनिवार्य कर दिया है। दिल्ली के मंत्री कपिल मिश्रा ने इस बात की पुष्टि करते हुए कहा कि ग्रैप 4 लागू है और सरकार मजदूरों की मुश्किलों को समझती है। उन्होंने बताया कि पंजीकृत मजदूरों को 10,000 की वित्तीय सहायता दी जाएगी। यह राशि सीधे उनके खातों में ट्रांसफर की जाएगी, ताकि वे इस मुश्किल दौर में अपनी आजीविका चला सकें। इस पहल का उद्देश्य उन दिहाड़ी मजदूरों को राहत पहुंचाना है जिनकी आय प्रदूषण के कारण काम बंद होने से प्रभावित होती है। एयर क्वालिटी अर्ली वार्निंग सिस्टम फॉर दिल्ली के अनुसार, बुधवार को दोपहर में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 326 दर्ज किया गया, जो हवा की बेहद खराब श्रेणी है।

भारत-ओमान मुक्त व्यापार समझौता प्रमुख क्षेत्रों में नए अवसर खोलेगा : पीयूष गोयल

नई दिल्ली,17 दिसम्बर 2025। भारत-ओमान मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) कपड़ा, खाद्य प्रसंस्करण,ऑटोमोबाइल,रत्न और आभूषण,कृषि रसायनों, नवीकरणीय ऊर्जा और ऑटो कंपोनेंट्स सहित कई सेक्टरों में महत्वपूर्ण अवसर खोलेगा। उन्होंने दोनों देशों के बीच सदियों पुराने समुद्री संबंधों को याद किया, जिसमें लोथल जैसे बंदरगाहों के जरिए ऐतिहासिक व्यापारिक आदान-प्रदान शामिल हैं। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री ने बुधवार को मस्कट में भारत-ओमान बिजनेस फोरम को संबोधित करते हुए यह बात कही। गोयल ने अपने संबोधन में ओमान की रणनीतिक लोकेशन पर जोर दिया,जो गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल (जीसीसी),पूर्वी यूरोप, मध्य एशिया और अफ्रीका का गेटवे है, जिससे भारतीय बिज़नेस को बेहतर मार्केट एक्सेस मिलता है।

राहुल गांधी ने म्यूनिख में बीएमडब्ल्यू प्लांट देखा कहा-भारत में मैन्युफैक्चरिंग में गिरावट आ रही

नई दिल्ली,17 दिसम्बर 2025। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को जर्मनी में कहा, 'मैन्युफैक्चरिंग मजबूत अर्थव्यवस्थाओं की रीढ़ होती है। दुर्भाग्य से भारत में मैन्युफैक्चरिंग में गिरावट आ रही है। विकास को तेज करने के लिए हमें ज्यादा से ज्यादा उत्पादन करना होगा। मैन्युफैक्चरिंग का इकोसिस्टम बनाना होगा।' राहुल गांधी प्रोग्रेसिव अलायंस के आमंत्रण पर तीन दिन के दौरे पर आज जर्मनी पहुंचे। ये अलायंस दुनियाभर की 117 प्रगतिशील राजनीतिक पार्टियों का एक प्रमुख समूह है।

राहुल ने पहले दिन म्यूनिख स्थित ऑटोमोबाइल कंपनी बीएमडब्ल्यू के मुख्यालय का दौरा किया। यहां उन्होंने विभिन्न कारों और मोटरसाइकिलों के बारे में जानकारी ली।

टैरिफ के जरिए वैश्विक व्यापार को हथियार बनाया जा रहा है : निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली,17 दिसम्बर 2025। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कहा कि टैरिफ (शुल्क) और दूसरे उपायों के जरिए वैश्विक व्यापार को तेजी से हथियार बनाया जा रहा है। भारत को ऐसे में सावधानीपूर्वक आगे बढ़ना होगा।

उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था की समग्र मजबूती देश को एक अतिरिक्त फायदा देगी।

केंद्रीय वित्त मंत्री ने नई दिल्ली में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि वैश्विक स्तर पर अब यह ''बिल्कुल स्पष्ट'' है कि व्यापार स्वतंत्र एवं निष्पक्ष नहीं है। निर्मला सीतारमण ने कहा, ''शुल्क और अन्य कई उपायों के जरिए व्यापार को हथियार बनाया जा रहा है।

सेना को अमेरिका से मिले 03 अपाचे हेलीकॉप्टर,पश्चिमी सीमा पर होंगे तैनात

नई दिल्ली, 17 दिसम्बर 2025। भारतीय सेना को तीन एएच-64 अपाचे अटैक हेलीकॉप्टर का आखिरी बैच अमेरिका से मिल गया है, जिससे राजस्थान के जोधपुर में 451 आर्मी एविएशन स्क्वाड्रन में उसके छह एयरक्राफ्ट का बेड़ा पूरा हो गया। अमेरिका में निर्मित अपाचे हेलीकॉप्टरों को एंटोनोव एयरलाइंस के एएन-124 सामरिक एयर लिफ्टर विमान से सीधे एरिजोना से हिंडन एयरबेस तक लाया गया है। ये अपाचे जोधपुर एयर बेस से वायु सेना के एलसीएच प्रचंड के साथ मिलकर काम करेंगे। भारतीय सेना के लिए साल 2020 में 80 करोड़ डॉलर में 06 अपाचे हेलीकॉप्टरों का सौदा अमेरिका से किया गया था। समय पर आपूर्ति मिलने की उम्मीद में सेना ने पिछले साल 15 मार्च को जोधपुर में अपाचे लड़ाकू हेलीकॉप्टरों की पहली स्क्वाड्रन भी बना ली थी। तीन अपाचे एएच-64 लड़ाकू हेलीकॉप्टरों का पहला बैच पिछले साल 22 जुलाई को भारत पहुंचा था। शेष तीन हेलीकॉप्टरों की आपूर्ति में देरी की वजह बोइंग कंपनी की सप्लाई चेन बाधित होना है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की पिछले साल अमेरिकी यात्रा पर सेना को अपाचे हेलीकॉप्टरों की आपूर्ति में हो रही देरी का मुद्दा उठाया गया था, इसके बावजूद डिलीवरी में करीब 15 माह की देरी हुई है। सेना के लिए अपाचे को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि दुश्मन की किलेबंदी को भेदकर और उसकी सीमा में घुसकर हमला करने में सक्षम है। पाकिस्तानी सीमा पर पश्चिमी सेक्टर के जोधपुर में वायु सेना की स्वदेशी 'प्रचंड' की स्क्वाड्रन और यहीं पर भारतीय सेना की अपाचे लड़ाकू हेलीकॉप्टरों की स्क्वाड्रन मिलकर काम करेगी।

संपादकीय

इतिहासबोध की दिशा में सार्थक पहल

एनसीईआरटी का संशोधन वैचारिक अन्याय का उत्तर है। यह इतिहास को न कटुता से लिखता है,न प्रतिशोध की भावना से। यह केवल यह कहता है कि इतिहास को जैसा था,वैसा स्वीकार किया जाए। बिना सत्य के न तो आत्मविश्वास संभव है,न सामाजिक समरसता। इतिहास का उद्देश्य समाज को बांटना नहीं,बल्कि उसे उसकी वास्तविक यात्रा से परिचित कराना है...

एनसीईआरटी द्वारा कक्षा सात की सामाजिक अध्ययन की नई पुस्तक 'एक्सप्लोरिंग सोसाइटीज इंडिया एंड बियांड-पार्ट 2' में किया गया संशोधन केवल पाठ्यक्रम परिवर्तन नहीं है। यह उस वैचारिक जड़ता को तोड़ने की कोशिश है,जिसने दशकों तक भारतीय इतिहास को आधा-अधूरा, चयनात्मक और भ्रमित रूप में विद्यार्थियों के सामने रखा। यह पहल इतिहासबोध की पुनर्स्थापना की दिशा में एक साहसिक और आवश्यक कदम है। स्वतंत्रता के बाद भारतीय इतिहास-लेखन पर एक खास वैचारिक प्रभुत्व हावी रहा।

इसके अंतर्गत मध्यकालीन भारत के आक्रमणों को या तो संक्षेप में प्रस्तुत किया गया या उन्हें केवल साम्राज्य-विस्तार और आर्थिक लूट के सीमित दायरे में देखा गया। मंदिर-विध्वंस,धार्मिक उत्पीड़न,गैर-मुसलमानों के व्यापक नरसंहार, दास-व्यापार और ज्ञान-केंद्रों के सुनियोजित विनाश जैसे तथ्य या तो दबा दिए गए या 'सुल्तानों-राजाओं के युद्ध' बताकर खारिज कर दिए गए। इससे भी आगे बढ़कर इन आक्रमणों के पीछे सक्रिय उस वैचारिक मानसिकता पर लगभग मौन साध लिया गया,जो 'कुफ्र-काफिर' की अवधारणा में विश्वास करती है। नतीजा यह हुआ कि इतिहास का एक निर्णायक और पीड़ादायक पक्ष पीढ़ियों तक छात्रों की समझ से बाहर ही रहा।

एनसीईआरटी की नई पुस्तक इतिहास को किसी वैचारिक सुविधा के अनुसार नहीं,बल्कि प्रमाणिक स्रोतों और ठोस ऐतिहासिक संदर्भों के आधार पर प्रस्तुत करती है। सच को सच कहना सांप्रदायिकता नहीं,बल्कि बौद्धिक ईमानदारी का परिचायक है। इस पुस्तक की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि यह है कि यह भारतीय इतिहास को दिल्ली और उत्तर भारत-केंद्रित दृष्टिकोण की सीमाओं से मुक्त करती है। इसमें काकतीय,चालुक्य,पल्लव,होयसल,पूर्वी गंग,ब्रह्मपाल जैसे वंशों के साथ-साथ भंजा,गुहिल,कलचुरी,मैत्रक,मौखरी,शिलाहार,सोमवंशी,तोमर और चैहमान (चौहान) जैसे अनेक राजवंशों के योगदान को भी समुचित स्थान दिया गया है। इस पुस्तक में मंदिर स्थापत्य को केवल पूजा-स्थल या धार्मिक प्रतीक भर मानकर नहीं देखा गया है,बल्कि उसे मध्यकालीन भारतीय समाज की शिक्षा, कला,विज्ञान और सामुदायिक जीवन के जीवंत केंद्र के रूप में प्रस्तुत किया गया है। बेलूर-हलेबिडु के होयसल मंदिरों की अद्वितीय सूक्ष्म नक्काशी हो या फिर एलोरा का कैलाशनाथ मंदिर,ये सभी उस तकनीकी दक्षता, स्थापत्य-ज्ञान और सौंदर्य-बोध के ठोस प्रमाण हैं,जिस पर भारत की सभ्यता सदियों तक खड़ी रही। यह प्रस्तुति उस लंबे समय से प्रचारित मिथक को स्वतः ध्वस्त करती है कि मध्यकालीन भारत बौद्धिक,वैज्ञानिक या रचनात्मक रूप से किसी प्रकार पिछड़ा हुआ था। पुस्तक में सम्मिलित 'वसुधैव कुटुंबकम्' और 'इंडिया,ए होम टू मेनी' जैसे अध्याय भारत के उस सभ्यतागत आत्मा को सामने लाते हैं,जिसकी जड़ें सहिष्णुता,सह-अस्तित्व और सम्मान में रची-बसी हैं। यहूदी और पारसी समुदायों को न केवल शरण देना,बल्कि उन्हें सम्मान, सुरक्षा और सामाजिक स्वीकार्यता प्रदान करना भारतीय समाज की ऐतिहासिक परंपरा रही है। नई पुस्तक में जोड़ा गया 'इंडिया एंड हर नेबर्स' अध्याय में पाकिस्तान के संदर्भ में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि उसका निर्माण धार्मिक आधार पर हुआ और विभाजन ने चुनौतियां कम नहीं कीं, अपितु भारतीय मानस को गहरे घाव दिए। यह प्रस्तुति उस वैचारिक भ्रम को तोड़ती है,जिसके अनुसार भारत-पाक विभाजन एक राजनीतिक दुर्घटना मात्र थी। पड़ोसी देशों के साथ भारत के संबंधों को साझा सभ्यतागत विरासत के संदर्भ में समझाने का प्रयास छात्रों को व्यापक दृष्टि प्रदान करता है।

संसद का अवरुद्ध स्वर और लोकतंत्र की कसौटी

लगातार व्यवधानों के दौर में संसदीय लोकतंत्र को सशक्त करने की संस्थागत राह...

प्रियंका सौरभ
आर्यनगर,हिसार (हरियाणा)-

"भारतीय संसद लोकतंत्र की आत्मा मानी जाती है। यही वह मंच है जहाँ जनता की विविध आकांक्षाएँ, असहमतियाँ और अपेक्षाएँ बहस के माध्यम से नीति और कानून का रूप लेती हैं। किंतु हाल के वर्षों में संसद की कार्यवाही बार-बार बाधित होने,प्रश्नकाल के स्थगित रहने,विधेयकों के बिना पर्याप्त चर्चा पारित होने और सदन के समय से पहले स्थगन ने इसकी गरिमा और प्रभावशीलता पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं। संसद, जो संवाद और सहमति का प्रतीक होनी चाहिए थी, वह अनेक अवसरों पर टकराव और अवरोध का अखाड़ा बनती दिखी है। यह स्थिति केवल संसदीय परंपराओं का क्षरण नहीं, बल्कि प्रतिनिधि लोकतंत्र की जड़ों के कमजोर होने का संकेत भी है।"

संसद में व्यवधान कोई नया विषय नहीं है। विरोध,असहमति और सरकार को जवाबदेह ठहराने के लिए प्रतिपक्ष की भूमिका लोकतंत्र में अनिवार्य है। किंतु जब विरोध का प्रमुख औजार निरंतर हंगामा, नारेबाजी और कार्यवाही ठप करना बन जाए,तब यह प्रश्न उठता है कि क्या संसद अपने मूल उद्देश्य को पूरा कर पा रही है। बार-बार स्थगित होने वाली कार्यवाही का सबसे बड़ा नुकसान जनता को होता है, क्योंकि संसद का हर खोया हुआ घंटा नीतिगत विमर्श,जनहित के मुद्दों और विधायी समीक्षा से चूक का प्रतीक बन जाता है। यह स्थिति कार्यपालिका को अधिक शक्तिशाली बनाती है और विधायिका की निगरानी भूमिका को कमजोर करती है। लोकतांत्रिक शासन में संसद केवल कानून पारित करने की मशीन नहीं होती,बल्कि वह कार्यपालिका की जवाबदेही सुनिश्चित करने, नीतियों की आलोचनात्मक समीक्षा करने और समाज के विभिन्न वर्गों की आवाज़ को सामने लाने का मंच भी होती है। जब संसद बाधित होती है,तब कार्यपालिका पर सवाल पूछने के अवसर कम होते हैं, अध्यादेशों और 'गिलोटिन' जैसी प्रक्रियाओं के माध्यम से विधायी निगरानी कमजोर पड़ती है और निर्णय कुछ सीमित हाथों में केंद्रित होने लगते हैं। इस संदर्भ में संस्थागत सुधारों की आवश्यकता केवल तकनीकी नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक नैतिकता से जुड़ा प्रश्न है। संसदीय समितियों की भूमिका इस बहस में अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत में संसदीय समितियाँ सदन के बाहर अपेक्षाकृत शांत वातावरण में विधेयकों की बारीकी से जांच करने, विशेषज्ञों और हितधारकों की राय लेने तथा राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर व्यावहारिक सुझाव देने का मंच प्रदान करती हैं। जब अधिकाधिक विधेयकों को बिना समिति जांच के पारित किया जाता है, तो कानून निर्माण की गुणवत्ता प्रभावित होती है। संस्थागत सुधार के रूप में सभी प्रमुख विधेयकों को अनिवार्य रूप से समितियों को भेजना न केवल विधायी प्रक्रिया को मजबूत करेगा,बल्कि संसद के भीतर होने वाले टकराव को भी कम कर सकता है,क्योंकि असहमति का समाधान बहस और प्रमाण के माध्यम से बाहर संभव होगा।

प्रश्नकाल को संसदीय लोकतंत्र की रीढ़ कहा जाता है। यही वह समय होता है जब निर्वाचित प्रतिनिधि सीधे-सीधे मंत्रियों से जनता से जुड़े सवाल पूछते हैं और सरकार को अपने निर्णयों का स्पष्टीकरण देना पड़ता है। प्रश्नकाल का बार-बार बाधित होना या औपचारिकता में सिमट जाना कार्यपालिका की जवाबदेही को कमजोर करता है। संस्थागत सुधार के तहत प्रश्नकाल की सुरक्षा और उसकी अनिवार्यता तय करना आवश्यक है,ताकि किसी भी परिस्थिति में इसे स्थगित न किया जाए। इससे सरकार और विपक्ष दोनों को संवाद के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

संसद में अनुशासन और मर्यादा बनाए रखने के लिए आचार-संहिता और दंडात्मक प्रावधान भी आवश्यक हैं। वर्तमान में नियम तो मौजूद हैं, किंतु उनका निष्पक्ष और सुसंगत क्रियान्वयन अक्सर विवादों में घिर जाता है। यदि सांसदों के लिए स्पष्ट, पारदर्शी और सर्वसम्मति से तय आचार-संहिता हो तथा उसके उल्लंघन पर समान रूप से कार्रवाई हो, तो अव्यवस्थित आचरण पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है। यह सुधार केवल दंड देने का नहीं, बल्कि संसदीय संस्कृति को पुनर्जीवित करने का माध्यम बन सकता है।

संसद के कार्यदिवसों की संख्या भी एक महत्वपूर्ण संस्थागत मुद्दा है। भारत की संसद कई विकसित लोकतंत्रों की तुलना में अपेक्षाकृत कम दिन बैठती है। सीमित सत्रों में भारी विधायी एजेंडा न केवल सांसदों पर दबाव बढ़ाता है, बल्कि सार्थक बहस की संभावना को भी कम करता है। न्यूनतम निश्चित बैठक दिनों वाला कैलेंडर तय करना और उसका सख्ती से पालन करना विधायी गुणवत्ता को बेहतर बना सकता है। अधिक बैठकों का अर्थ केवल अधिक कानून नहीं, बल्कि अधिक संवाद, अधिक प्रश्न और अधिक जवाबदेही है।

हालाँकि,इन संस्थागत सुधारों की राह आसान नहीं है। राजनीतिक दल अक्सर संसद के भीतर व्यवधान को एक वैध राजनीतिक हथियार मानते हैं। विपक्ष को यह आशंका रहती है कि सुधारों के नाम पर उसके विरोध के अधिकार को सीमित किया जाएगा, जबकि सत्ता पक्ष पर यह आरोप लगता है कि वह संस्थागत नियमों का उपयोग असहमति को दबाने के लिए कर सकता है। इसके अतिरिक्त, स्पीकर या सभापति की निष्पक्षता पर उठने वाले सवाल भी सुधारों के प्रभावी क्रियान्वयन में बाधा बनते हैं। यदि पीठासीन अधिकारी पर पक्षपात का आरोप लगे, तो अनुशासनात्मक कार्रवाई भी विवाद का कारण बन जाती है। कार्यपालिका का बढ़ता प्रभुत्व भी एक गंभीर चिंता है। अध्यादेशों का बढ़ता प्रयोग, धन विधेयकों के दुरुपयोग और समयाभाव के नाम पर बहस सीमित करने की प्रवृत्ति संसद की भूमिका को कमजोर करती है। ऐसे में केवल नियम बदलना पर्याप्त नहीं होगा; सत्ता और विपक्ष दोनों को संसदीय मर्यादाओं के प्रति प्रतिबद्धता दिखानी होगी। संस्थागत सुधार तभी सार्थक होंगे जब उन्हें राजनीतिक इच्छाशक्ति और लोकतांत्रिक मूल्यों का समर्थन प्राप्त हो।अंततः संसद की मजबूती किसी एक सुधार या नियम से सुनिश्चित नहीं हो सकती। यह एक सतत प्रक्रिया है, जिसमें संस्थाएँ, परंपराएँ और राजनीतिक आचरण तीनों समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। संसद को फिर से बहस, सहमति और उत्तरदायित्व का मंच बनाने के लिए आवश्यक है कि विरोध संवाद में बदले,असहमति अवरोध में नहीं, और शक्ति संतुलन संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप बना रहे। तभी भारतीय संसदीय लोकतंत्र न केवल व्यवधानों से उबर पाएगा,बल्कि एक जीवंत, प्रतिनिधिक और जवाबदेह संस्था के रूप में अपनी भूमिका को पुनः स्थापित कर सकेगा।

मानवता के पुजारी संत बाबा गुरू घासीदास जी छत्तीसगढ़ की धरोहर

लक्ष्मीनारायण लहरे साहिल
कोसीर सारंगढ बिलाईगढ़,छत्तीसगढ़ .

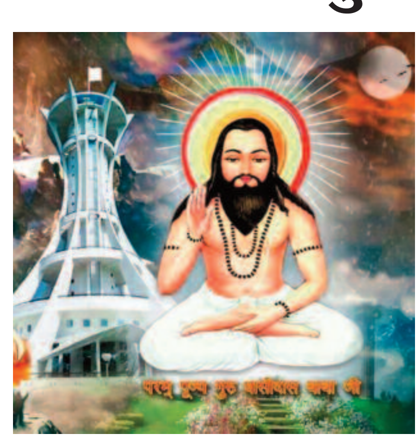

बाबा गुरू घासीदास छत्तीसगढ़ के भुईया पर अवतरित युग पुरूष महामानव हैं। जिन्होंने समाज में नई विचार चेतना का उद्भाव कर सामाजिक क्रान्ति लाया। छुआछूत, सामाजिक असमानता, आर्थिक शोषण, अत्याचार,नारी उत्पीड़न आदि के विरूद्ध उन्होंने 1820 से 1830 तक आंदोलन चलाये इस आंदोलन में लाखों करोड़ों जन समुदाय शामिल हुये और सतनाम धर्म का पुर्नस्थापना किया जो कि औरंगजेब के शासनकाल में मृत हो चुका था। सतनाम धर्म में इस छत्तीसगढ़ क्षेत्र के दबे कुचले पीड़ित मानव पुनः शामिल हुये और आगे चलकर सतनाम धर्म का पालन करते हुये आज भी इस धर्म को उजागर किये हुये हैं। इस धर्म का अनुयायियों का विस्तार छत्तीसगढ़ के इस पावन धरती पर विशेष रूप से हुआ। बाबा गुरू घासीदास जी का जन्म स्थल गांव गिरौदपुरी छत्तीसगढ़ में इतिहास के साथ-साथ कर्मभूमी और पर्यटन की दृष्टि से जाना पहचाना नाम है। कवि सुकुलदास जी घृतलहरे ने अपनी सतनाम पोथी में सतनामी समाज के विकास हेतु एक महत्वपूर्ण रचना है। सुकुल जी के रचना को नये आयाम में डॉ शंकरलाल टोडर जी ने जीवनी के रूप में लिखा और आज उनके इतिहास को हर वर्ग जानते हैं। शंकरलाल टोडर जी ने जो जीवनी परिचय लिखा है वह वास्तव में अध्ययन करने में सरल और सत्य के पहिये को धकेला है जो प्रशंसनीय है। भारत एक महान देश है यहां आदिकाल से संत ,महात्मा, ऋषि-मुनियों,महापुरूष,महामानव का इतिहास रहा है जो किसी वर्ग से नहीं छिप पाया है। इस देश में संत महात्माओं और महान पुरूषों ने सदा से ही सत्य अहिंसा सद्भाव मानव सेवा परोपकार निष्काम कर्म का संदेश मानव मात्र को दिया। उन्होंने सदा ही जनता को सत्य मार्ग की ओर अग्रसर करते हुये भाईचारे, शांति,सहअस्तित्व एवं विश्वबंधुत्वता की भावना का पैगाम सुनाया है। संत व महापुरूष संपूर्ण मानव जाति के लिये पूज्यनीय है। भारत के हृदयस्थल छत्तीसगढ़ के ग्राम गिरौदपुरी थाना बिलाईगे जिला बलौदाबाजार में 18 दिसंबर सन 1756 में संत बाबा गुरू घासीदास का जन्म हुआ था। बाबा करूणा के धनी हृदय आसमान की तरह निर्मल था जहां छत्तीसगढ़ को अपने सांस्कृतिक सुषमा विपुल रत्न भंडार एवं मानव सभ्यता का आदि होने का गौरव प्राप्त है ।वहीं इस पावन भूमि को बाबा गुरू घासीदास जी देव पूज्य की जन्मभूमि एवं कर्मभूमि होने का सौभाग्य प्राप्त है। आपके पिता का नाम महंगूदास और माता का नाम श्रीमती अमरौतीन बाई था। बाबाजी बाल्यवस्था से ही होनहार विलक्षण प्रतिभा एवं अद्भुत शक्ति से सम्पन्न थे। बचपन से ही स्वभाव अनुसार वैरागी और व्यवहार में कर्मयोगी थे आपकी जीवन की अनेक सत्य घटनाऐं इस अंचल में प्रसिद्ध हैं। आप अपने साथियों को सदा नेक उचित सलाह दिया करते थे। बाबाजी का प्रादुर्भाव उस समय हुआ था जब देश में अराजकता की स्थिति थी। छत्तीसगढ़ क्षेत्र इस अराजकता के शिकंजे में जकड़ा था व अंग्रेज सम्राज्य का विस्तार हो रहा था। देशी नरेश लड़खड़ा रहे थे। हिन्दू समाज में अनेक कुरीतियॉ व्याप्त थी। छुआछूत, ऊंच -नीच की भावना का तांडव नृत्य समाज में हो रहा था ऐसी कठिन एवं विषम परिस्थिति में इस धरा धाम में संत बाबा गुरू घासीदास जी का जन्म हुआ। जिस प्रकार गौतम बुद्ध को वट वृक्ष के नीचे बुद्धत्व का ज्ञान प्राप्त हुआ था उसी प्रकार आपको भी औंरा-धौंरा वृक्ष के नीचे सत्य का ज्ञान हुआ था। आपको अर्न्तज्ञान हुआ कि सत्य ही ईश्वर है। सत्य ही मानव का आभूषण है आगे आपने बीज मंत्र में कहा।

आग लगे आकाश में झर झर गिरे अंगार
सत्य ना होती धरती में तो जल जाती संसार।

सत्य अच्छे कर्मो के द्वारा प्राप्त किया जा सकता है। महान पुरूष बनने के लिये उंची जाती में जन्म लेना जरूरी नहीं है स्वयं में शक्ति हो तो सत्य के मार्ग में चलकर ईश्वर भक्ति को प्राप्त किया जा सकता है। आपने प्रत्येक स्थानों का भ्रमण कर दिग्भ्रमित एवं भटके हुये मानव को सतपथ की ओर अग्रसर किया। आपका कांकेर पनावरेश,डोंगरगढ़,राजनांदगांव, पोड़ीदहला,भंडारपुरी,तेलासीधाम,चटवाधाम प्रसिद्ध है। इस प्रकार आपने अपने सम्पूर्ण छत्तीसगे को अपने कर्म और धर्म उपदेश का क्षेत्र बनाया। बाबाजी जहां जहां गये हजारों लोगों ने आपका दर्शन किया और आपके अमृतवाणी का रसपान कर जीवन को धन्य किये।आपको मिथ्या अभिमानियों द्वारा विरोध किया गया और आलोचना भी की गयी फिर भी आपने सत्य का ज्ञान उपदेश देना बंद नहीं किया। पाखंडी लोग हर युग में हर जगह पर होते हैं जिसके कारण आपको जन्म स्थान गिरौदपुरी को त्याग कर भंडारपुरी में रहना पड़ा फिर भी अपने मार्ग से विचलित नहीं हुये सत्य ज्ञान अमृतवाणी जन उपदेश चलता रहा आज करोड़ों की संख्या में अनुयायी इस छत्तीसगढ़ अंचल में हैं जो आपके सिद्धांतों की सत्यता स्वीकार करते हैं। बाबा गुरू घासीदास जी क्रांतीकारी युग पुरूष थे। आपने समाज में व्याप्त कुरीतियों को त्यागने का उपदेश दिया आपके उपदेश में पाखंड बात संकीर्णता एवं मिथ्याचार की जड़ मिट गयी तथा ध्वस्त हो गयी। संमता समानता और भाईचारे के आधार पर जन -जन को मुक्ति का संदेश दिया पीड़ित दलित और दुखी जनों के लिये नये पथ का निर्माण किया जिसे सत्य पंथ नाम से जाना जाता है आपने सत्य को हृदय में बसाकर सतकर्म करने एवं कर्म को व्यवहार में उतारने का सही मार्गदर्शन बताया। बाबा घासीदास जी एक क्रांतिकारी एवं महान पुरूष थे आपने युग में एक लम्बी क्रांति का शुरूआत किया तथा मानव जीवन में वैचारिक क्रांति एवं नैतिक क्रांति की ज्योति प्रज्जवलित की। बाबाजी मूर्तिपूजा एवं मास,मद्यपान, जुआ, धूम्रपान, चोरी, वेश्यावृत्ति पाखंडवाद, एवं मिथ्याचार से दूर रहने को उपदेश दिय। संत महान पुरूषों का अवतार तो विश्वकल्याण के लिये होता है बाबा घासीदास का जन्म इस धरा धाम पर दुखी पीड़ित मानव के उद्धार के लिये हुआ था। वे दीन दुखियों के दुख दूर करने पीड़ितों के पीड़ा हरने गिरे हुये लोगों को उठाने और सत्य मार्ग बताने के लिये जनता के बीच में आये थे वे अपने उद्देश्य संदेशों और उपदेशों से जनता में आस एवं स्फूर्ति की ज्योति प्रज्जवलित कर गये। आज गिरौदपुरी गांव धाम के रूप में जाना जा रहा यहां आपका कुतुब मीनार से भी बड़ा जैतखंभ है जो लोगों को बरबस अपनी ओर आकर्षित करता है। गिरौदपुरी में बारों माह हजारों लोगों का आना जाना है लोग आपके जगह मात्र का दर्शन कर धन्य मानते है। छत्तीसगढ़ के बड़े शहर रायपुर ,बिलासपुर,दुर्ग,रायगढ़,सारंगढ शहर और पूरे छत्तीसगढ़ में आपकी जयंती पर लोग आपको एवं आपके कार्य को सराहना करते है आपके अनुयायी आपके मार्ग में चल कर अपने आपको धन्य मानते हैं। आपकी 269 वीं जयंती पर आपको विनम्र नमन जो आपने मनखे मनखे एक बराबर का संदेश दिया। दबे,कुचले,दलित ,असहाय को नई विचार नई राह दिखाए। आज आपको याद कर छत्तीसगढ़ धन्य मानता है। बलौदा बाज़ार जिला मुख्यालय से 40 मीटर,रायपुर से 120 किलोमीटर और सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिला मुख्यालय से 60 किलोमीटर दूर गिरौदपुरी धाम स्तिथ है वही सारंगढ़ में बाबा गुरु घासी दास जी का ज्ञान स्थली है जिसे वर्तमान में पुष्प वाटिका के नाम से जाना जाता है। गिरौदपुरी में संत बाबा गुरु घासी दास जी की समाधि पर उनके अनुयायी पहुंचकर दीप जलाते हैं और उन्हें याद कर नमन करते हैं । गिरौदपुरी धाम पर्यटकों के लिए बहुत सुंदर जगह है वहीं अमृत कुंड और छाता पहाड़ लोग पहुंचकर आनंद के पल गुजारते हैं। पर्यटन की दृष्टि से यहां अभी भी बहुत कुछ निर्माण की जरूरत है ।पर्यटन विभाग को यहां काम करने की जरूरत है ।

गुरु घासीदास के विचारों कों आत्मसात करें...

लक्ष्मीनारायण सेन
खुटेरी गरियाबंद (छ.ग.)

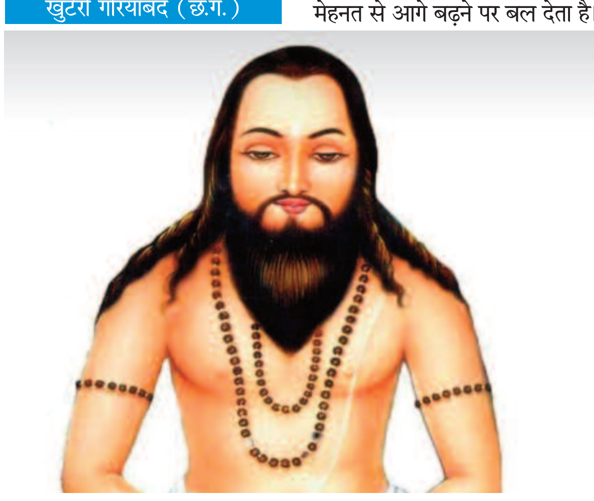

सकल समाज किसी व्यक्ति के सेवा समर्पण त्याग और प्रेरणा को याद कर उस व्यक्ति विशेष का जयंती मनाता है।आज अठारह दिसंबर है हम सब परम पूज्य संत शिरोमणि गुरु घासीदास जी के जयंती मना रहें हैं। परम पूज्य संत शिरोमणि गुरु घासीदास जी ने समाज में सतनाम पंथ का स्थापना किया है। सतनाम शब्द से प्रतीत होता है कि हम सब सत्य की मार्ग का अनुसरण करें। सदा सात्विक गतिविधियों का संपादन करें।

पूज्य संत हमें प्रेरणा देता है मनखे मनखे एक समान अर्थात सभी मनुष्य एक समान है ना कोई छोटा है और ना कोई बड़ा ना कोई उच्च और ना ही कोई नीच यह संदेश हमे देता है पर क्या इस कथन का पालन हम सब अन्तर आत्मा से कर पाते हैं यह हम सबके लिए विचारणीय है। सामाजिक समरसता का पाठ पूरे मानव समाज को पढ़ाता है। समाज में रहने वाले सभी जाति के लोग आपस में समान है और कोई छोटा या कोई बड़ा नहीं है। समाज में रहने वाले सभी वर्ग और समुदाय के लोग आपस में समरस हों सभी एक दूसरे के भावनाओं का सम्मान करें।समाज में पनप रही बुराईयों जैसे मांस-मदिरा सेवन,जीव हत्या, पशु बलि प्रथा तथा अंधविश्वास आदि पर संत हमेशा प्रहार करता है और जीव पर प्रेम और दया नाम का संदेश देता है।

नैतिक मूल्यों पर हमेशा जोर देता है। समाज में हो रही व्याभिचार भ्रष्टाचार नशाखोरी और मुफ्त की कमाई का हमेशा विरोध करता है। अपने सात्विक विचार और मेहनत से आगे बढ़ने पर बल देता है। सात्विक विचार और परिश्रम से ही एक आदर्श समाज की स्थापना की जा सकती है। नैतिक मूल्य ही हमें विकास की चरम सीमा पर ले जाता है और यह विकास चीर स्थाई होता है। नैतिक मूल्यों पर हमेशा हमें ध्यान रखना चाहिए पर आज हमारे समाज में नैतिक मूल्यों पर जोर कम हो रहा, यह हमें सोचना होगा।

स्त्री पुरुष में समानता का संदेश देता है। स्त्री बिना वंसज और संस्कार सृजन नही हो सकता अतः नारी हमेशा पूजने योग्य होता है।नारी शिक्षा पर हमेशा जोर दिया जाता है क्योंकि एक बाल मन में अच्छे संस्कार और संस्कृति का बीजारोपण एक स्त्री ही करती है।सतनाम पंथ में प्रतीक के रूप में एक जैत खाम का स्थापना किया जाता है।जैत खमा में सफेद कपड़े के धवज का उपयोग किया जाता है जो शांति और सत्य का प्रतीक है।

राष्ट्रीय सुरक्षा को चाहिए नई दृष्टि

जगतबीर सिंह

भारतीय उपमहाद्वीप के मानचित्र को नए सिरे से बदलने वाली 16 दिसंबर की तिथि को भारत में विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है। पाकिस्तान के विभाजन और बांग्लादेश के सृजन के रूप में भारतीय सैन्य बलों की यह एक अद्वितीय विजय थी। महज एक पखवाड़े के भीतर भारतीय सेना ने पाकिस्तान को पूरी तरह पस्त कर दिया और उसके 93,000 सैनिकों ने शर्मनाक आत्मसमर्पण किया। हमारे सशस्त्र बलों की पेशेवर कार्यशैली, देशभक्ति, समर्पण, दृढ़ता, संकल्प और साहस ने इस विजय को विशेष बनाया। इस विजय में और भी कई निर्णायक पहलू थे।

जैसे सभी स्तरों पर नेतृत्व, राजनीतिक-सैन्य समन्वय, कूटनीति, खुफिया जानकारी, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल, विशेष रूप से सीमा सुरक्षा बल, रेलवे और मुक्ति वाहिनी की भूमिका भी उतनी ही अहम रही। पूर्व सेनाप्रमुख जनरल वीएन शर्मा के अनुसार 1971 की विजय का सबसे बड़ा मर्म यही रहा कि युद्ध लड़ना केवल एक सैन्य मोर्चा नहीं, बल्कि समग्रता का संघर्ष है, जिसमें राजनीति और कूटनीति भी शामिल होती है। उनकी दृष्टि में युद्ध मात्र एक सैन्य कार्रवाई न होकर विभिन्न सरकारी एजेंसियों और विभागों का समन्वित प्रयास होता है।

राष्ट्रीय सुरक्षा एक व्यापक विषय है। परिभाषा की बात की जाए तो कोई भी खतरा जो परोक्ष या प्रत्यक्ष रूप से संप्रभुता और अखंडता को चुनौती देता है, उसे राष्ट्रीय सुरक्षा की चिंता के रूप में देखा जाता है। हालांकि अब इसे केवल पारंपरिक सैन्य युद्ध के संदर्भ में ही सीमित नहीं किया जा सकता। वर्तमान परिदृश्य आर्थिक सुरक्षा, सामाजिक-राजनीतिक सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा, साइबर सुरक्षा, मानव विकास सुरक्षा, पर्यावरण सुरक्षा के साथ कुछ और पहलुओं को जोड़ता है।

किसी दिन जब आपके सामने कोई समस्या न आए, तो आप सुनिश्चित हो सकते हैं कि आप गलत मार्ग पर चल रहे हैं।

-स्वामी विवेकानंद

सूचना
समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

काले धन की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना चाहती है कांग्रेस : संजय श्रीवास्तव

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 17 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

भाजपा ने छत्तीसगढ़ में राजस्व और पंजीयन विभाग में किए गए सुधारों को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा। संकल्प भवन में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान छत्तीसगढ़ नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष और पूर्व भाजपा प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव ने कहा कि राज्य सरकार के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में पिछले दो वर्षों में कई बड़े तकनीकी और जनहितैषी सुधार किए गए हैं। इन सुधारों का उद्देश्य आम जनता को राहत देना, भ्रष्टाचार पर रोक लगाना और फॉर्मल इकॉनॉमी को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की पारदर्शिता और सुशासन की नीति के तहत जीएसटी से लेकर आयकर तक कई ऐतिहासिक सुधार किए गए हैं। इन सुधारों में सबसे महत्वपूर्ण कदम गाइडलाइन दरों को युक्तिसंगत बनाना है। श्रीवास्तव ने कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस का विरोध यह दर्शाता है कि वह काले धन की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना चाहती है, जबकि भाजपा सरकार पारदर्शी व्यवस्था स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रेस वार्ता में भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया, जिला महामंत्री विनोद हर्ष, जिला उपाध्यक्ष मधुसुदन शुक्ला, जिला संवाद प्रमुख रुपेश दुबे, पार्षद मनोज गुप्ता सहित अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

काले धन पर सख्त प्रहार

श्रीवास्तव ने बताया कि पहले गाइडलाइन दरों और वास्तविक बाजार कीमतों में भारी अंतर था, जिससे ईमानदार नागरिकों को परेशानी होती थी। अब गाइडलाइन दरों को युक्तिसंगत बनाने से वास्तविक लेन-देन दर्ज होगा और काले धन पर प्रभावी रोक लगेगी। इससे आम जनता को भूमि की वास्तविक कीमत पर ऋण सुविधा उपलब्ध होगी।

कांग्रेस सरकार की सच्चाई

श्रीवास्तव ने कहा कि कांग्रेस सरकार के दौरान गाइडलाइन दरों को घटाया गया था, ताकि काले धन को जमीन में निवेश किया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि ईडी की जांच में कांग्रेस नेताओं द्वारा हजारों एकड़ भूमि में निवेश की पुष्टि हुई है, और अब उन संपत्तियों पर कार्रवाई की जा रही है।

डिजिटल और तकनीकी सुधार

उन्होंने प्रदेश में किए गए डिजिटल सुधारों के बारे में बताया,जैसे ऑनलाइन नकल-सर्च, आधार सत्यापन,सुगम एप, स्वचालित नामांतरण, परिवार में हकत्याग/बटवारा मात्र 500 शुल्क, व्हाट्सएप पर दस्तावेज उपलब्ध कराना आदि। इन सुधारों से पंजीयन प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और सुगम हो गई है।

सुधारों से किसानों और मध्यम वर्ग को राहत : श्रीवास्तव ने बताया कि किसानों के हित में कई बदलाव किए गए हैं, जैसे असिंचित भूमि, दो फसली भूमि, कुआं-बोरिंग, तालाब, कच्चे मकान, पेड़-फलदार वृक्ष और बाउंड्रीवाल पर लगने वाले अतिरिक्त शुल्क को समाप्त कर दिया गया है। शहरी क्षेत्रों में मल्टीस्टोरी भवनों में अब केवल बिल्ट-अप एरिया पर ही शुल्क लिया जाएगा, जिससे मध्यम वर्गीय परिवारों को 20-30 प्रतिशत तक लाभ मिलेगा।

ग्राम पंचायत सरपंचों का एक दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला सम्पन्न

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 17 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ रजत जयंती महोत्सव 2025 के उपलक्ष्य में 16 दिसम्बर एवं 17 दिसम्बर 2025 को जिले के समस्त नवनिर्वाचित ग्राम पंचायत के सरपंचों का एक दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन जिला पंचायत के सभाकक्ष में किया गया। कार्यशाला में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरूपा सिंह ने शासकीय योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुंचाने के लिये सक्रिय भागीदारी निभाने हेतु सभी से अपील किया। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विनय अग्रवाल ने सभी सरपंचों को योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की। प्रशिक्षण में 16 दिसम्बर 2025 को जनपद पंचायत अम्बिकापुर, लुण्ड्रा एवं बतौली तथा 17 दिसम्बर 2025 को जनपद पंचायत लखनपुर, उदयपुर, सीतापुर एवं मैनपाट के सरपंचों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। उक्त प्रशिक्षण सहकार्यशाला में सभी नवनिर्वाचित सरपंचो को पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत शासन द्वारा संचालित समस्त योजनाओं की मूलभूत जानकारी विभागीय अधिकारियों द्वारा प्रदान करते हुए उनके क्रियान्वयन एवं संचालन के संबंध में विस्तृत दिशा- निर्देशों के संबंध में अवगत कराया गया। कार्यशाला में शासकीय योजनाओं का लाभ आमजनों तक कैसे पहुंचाया जाए एवं प्रक्रिया में कठिनाइयों को दूर करने सबंध में चर्चा की गई। इस दौरान उपस्थित अधिकारियों द्वारा शासकीय योजनाओं मनरेगा, स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन एवं पंचायत से संबंधित सभी योजनाओं से संबंधित आवश्यक जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण सहकार्यशाला के समापन अवसर पर उत्कृष्ट कार्य संपादित करने वाले 15 ग्राम पंचायत सरपंचों प्रशस्ति पत्र एवं शॉल देकर सम्मानित किया गया। प्रशिक्षण सहकार्यशाला में अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती नेहा सिंह, उप संचालक पंचायत श्रीमती ऋतु साहू, लेखा अधिकारी श्री महामाया प्रसाद ओझा, जिला समन्वयक प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण श्री शशाक सिंह, जिला समन्वयक स्वच्छ भारत मिशन श्री रोशन गुप्ता, प्रभारी अधिकारी डॉ. प्रशांत शर्मा, डीपीएम एनआरएलएम श्री राहुल मिश्रा, जिला अंकेक्षक पंचायत श्री नर्मदा प्रसाद डहरिया उपस्थित रहे।

इंजीनियरिंग कॉलेज में राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन,चार अंतरराष्ट्रीय वक्ताओं ने लिया हिस्सा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 17 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज में 15 और 16 दिसंबर को दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन 'क्वांटम-2025' का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन का आयोजन छत्तीसगढ़ विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद रायपुर द्वारा किया गया था, जिसमें एशिया, अमेरिका, यूरोप और ऑस्ट्रेलिया के चार अंतरराष्ट्रीय वक्ताओं ने हिस्सा लिया। सम्मेलन का विषय था 'इन्नोवेटिव टेक्निक्स इन इंजीनियरिंग, टेक्नोलॉजी एंड साइंस ए प्रैक्टिकल एप्रोच'। सम्मेलन के पहले दिन के पहले सत्र के मुख्य अतिथि प्रोफेसर एनके समाधिया, विभागाध्यक्ष (सिविल इंजीनियरिंग), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुडक़ी थे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि प्रायोगिक और तकनीकी ज्ञान का उपयोग मानवहित और समाज कल्याण के लिए होना चाहिए। दूसरे सत्र के मुख्य अतिथि प्रोफेसर राज भारती रूसिया, इंग्लैंड ने इंजीनियरिंग के उभरते रुझानों, सतत इंजीनियरिंग पद्धतियों के अनुकूलन, आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस और सौर ऊर्जा के महत्व पर चर्चा की। सम्मेलन के दूसरे दिन के पहले सत्र में फिर से प्रोफेसर राज भारती रूसिया ने इंजीनियरिंग के उभरते रुझानों और नए तकनीकी तरीकों पर अपने विचार व्यक्त किए। दूसरे सत्र में अंजना सिंह, ऑस्ट्रेलिया ने तकनीकी क्षेत्र में हो रहे नवाचारों के बारे में जानकारी दी। तीसरे सत्र में शरद नागरिया, अमेरिका ने नवाचार पर जोर दिया और विभिन्न क्षेत्रों में इसके लाभ के बारे में बताया। सम्मेलन का समापन समारोह प्रोफेसर राजेंद्र लाकपाले, कुलपति, संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय सरगुजा के मुख्य आतिथ्य में हुआ। उन्होंने सम्मेलन की सफलता की सराहना करते हुए कहा कि यह राष्ट्रीय सम्मेलन न होकर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के रूप में परिणत हो चुका है। सम्मेलन के अंत में श्रेष्ठ शोध पत्र के लिए अनुपमणि त्रिपाठी और दीपक कुमार तिवारी को सम्मानित किया गया, जबकि श्रेष्ठ पोस्टर के लिए सौरभ रवि को प्रमाण-पत्र दिया गया। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. आरएन खरे, डॉ. आरके साहू, प्रोफेसर पूनम दीवान, प्रोफेसर नेहा शर्मा, मुकेश शुक्ला सहित सभी विभागाध्यक्ष और अन्य प्रतिभागी इस आयोजन में उपस्थित थे। सम्मेलन का आभार प्रदर्शन डॉ. रोबिन थॉमस ने किया।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक ने कहा... गोड़सेवादियों के कदम से गरीबों का शोषण जारी रहेगा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 17 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

मनरेगा योजना एवं नाम मे बदलाव को लेकर आज आखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आवाहन पर जिला कांग्रेस कमेटी सरगुजा के द्वारा डाटा सेंटर पर धरना प्रदर्शन किया गया। डाटा सेंटर पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक ने कहा किविश्वबैंक ने मनरेगा को दुनिया का सर्वाधिक रोजगार देने वाला योजना घोषित किया था। 2008-09 की वैश्विक मंदी में इस योजना ने देश को आर्थिक संकट से बचाया। इस देश मे गोड़से वादियों और गांधीवादियों के बीच संघर्ष चल रहा है। मनरेगा के नाम और योजना में बदलाव इसी दिशा में गोड़सेवादियो का एक कदम है। कभी नोटबन्दी, कभी एसआईआर, कभी मनरेगा जैसे कदमों के माध्यम से भाजपा इस देश के गरीब जनता को पिछले 11 साल से उलझाए हुए है ताकि वोटचोर कर गोड़सेवादियो की सत्ता बरकरार रहे। सभा को संबोधित करते हुए 20 सूत्रीय कार्यक्रम के पूर्व अध्यक्ष अजय अग्रवाल ने इस निर्णय को लेकर कटाक्ष करते हुए कहा कि किन्नर जो खुद संतान उत्पन्न नहीं कर सकता है वो पड़ोसी के बच्चे का नाम बदल खुश हो जाता है। उन्होंने कहा ग्रामीण रोजगार के क्षेत्र में मनरेगा दुनिया की सबसे बड़ी योजना है। इतनी बड़ी योजना प्रधानमंत्री बनने के पहले से ही नरेंद्र मोदी को खटक रही थी, क्योंकि वे गरीब विरोधी और पूंजीपति समर्थक हैं। सभा को संबोधित करते हुए पीसीसी महामंत्री द्वितेंद्र मिश्रा ने कहा कि जिन महात्मा गांधी जी ने देश को आजाद कराने में, सामाजिक न्याय और सौहार्द्र स्थापना में अपना जीवन बलिदान कर दिया उनके नाम के साथ पूंजीवादी संघ की विचारधारा जो खिलवाड़ कर रही है उससे पूरे देश मे आक्रोश की स्थिति है। इस योजना के साथ जो खिलवाड़ सरकार कर रही है उसको देखते हुए ऐसा लगता है कि सरकार रोजगार की गारंटी को जै राम जी करना चाहती है। इस दौरान पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने कहा कि गरीब विरोधी यह सरकार मनरेगा के सिर्फ नाम ही नहीं बदल रही है, साथ ही वो इस योजना को अप्रासंगिक बना कर इससे पल्ला झाडने की तैयारी है। धरना स्थल पर सभा को मो इस्लाम,मुनेश्वर राजवाड़े,मदन जायसवाल, विकल झा, आशीष जायसवाल, प्रमोद चौधरी, शुभम जायसवाल, रजनीश सिंह, विष्णु सिंहदेव, प्रीति सिंह, परवेज आलम गांधी, सीपू सिंह ने भी संबोधित किया। सभा का संचालन किसान कांग्रेस शहर के जिलाध्यक्ष दुर्गेश गुप्ता ने किया। इस दौरान संजय विश्वकर्मा, लालचंद यादव, संजीव मंदिलवार, अनिल सिंह, सीमा सोनी, अनूप मेहता, जमील खान, नरेंद्र विश्वकर्मा, मो हसन, लोकेश कुमार, अमित तिवारी राजा, मो बाबर,चंद्रप्रकाश सिंह, सोहन जायसवाल, अमित सिन्हा, संजय सिंह, जीवन यादव, बिज्जू गुप्ता, आशीष शील, अमित सिंह, अविनाश कुमार, मो इमरान, विकास शर्मा, दिनेश शर्मा, लखन मरावी, सतीश यादव, दिलीप धर, प्रीति सिंह, गीता प्रजापति, गीता रजक, श्रीमती हमीदा, अनिता सिन्हा, उर्मिला विश्वास, सीपू सिंह, अंकित जायसवाल, राहुल सोनी, ऋषभ जायसवाल, अभिषेक सोनी आदि मौजूद रहे।

राजपुर में भव्य हिंदू सम्मेलन आयोजन हुआ संपन्न

भव्य हिंदू सम्मेलन आयोजन में सांस्कृतिक चेतना और सामाजिक एकता का दिया गया संदेश

-संवाददाता-
राजपुर, 17 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के राजपुर नगर में आज हिंदू सम्मेलन का सफल आयोजन सम्पन्न हुआ।सम्मेलन का आयोजन राजपुर हिंदू सम्मेलन आयोजन समिति द्वारा किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य हिंदू समाज में सांस्कृतिक चेतना, सामाजिक एकता एवं धर्म के प्रति जागरूकता को सुदृढ़ करना रहा। सम्मेलन में बड़ी संख्या में नगरवासी, सामाजिक कार्यकर्ता एवं स्वयंसेवक उपस्थित रहे। कार्यक्रम की रूपरेखा के अनुसार सर्वप्रथम श्रीराम भजन के साथ शुभारंभ हुआ। इसके पश्चात विद्यार्थियों एवं कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुतियां दी गईं।

इसके बाद भारत माता के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर राष्ट्रभक्ति का भाव प्रकट किया गया। सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में सामाजिक कार्यकर्ता रामशंकर पैंकरा उपस्थित रहे। अध्यक्षता सामाजिक कार्यकर्ता मालती देवी ने की। मुख्य वक्ता के रूप में अभय राम कुंभकार प्रांत प्रचारक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ छत्तीसगढ़, ने हिंदू समाज की सांस्कृतिक विरासत, सामाजिक समरसता एवं राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर प्रेरक उद्बोधन दिया। विशिष्ट रूप से उपस्थित पदाधिकारियों में मनोज गुप्ता जिला संघ चालक, हेमंत नाग सरगुजा विभाग प्रचारक तथा आत्म शरण उपाध्याय बलरामपुर जिला प्रचारक शामिल रहे। वक्ताओं ने अपने अपने उद्बोधन में बारी बारी कहा कि समाजहित में कार्य करने, सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण तथा सामाजिक सौहार्द बनाए रखने का आह्वान किया।कार्यक्रम के अंत में आयोजकों द्वारा सभी अतिथियों एवं उपस्थित नागरिकों का आभार व्यक्त किया गया।

सर्वधर्म एकता मंच के बैनर तले क्रिसमस मिलन समारोह का आयोजन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 17 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

प्रेम व भाईचारे का संदेश देने व आपसी मेल मिलाप बढ़ाने के उद्देश्यों को लेकर सर्वधर्म एकता मंच के बैनर तले क्रिसमस मिलन समारोह का आयोजन बिशप अंतोनिस बड़ा की अगुवाई व फादर थेओदोर लकड़ा के संयोजन में बिशप हाउस परिसर में सभी धर्मों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत में फादर विलियम उर्रे द्वारा इस मंच के गठन के उद्देश्य व जरूरत पर प्रकाश डाला व अतिथियों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता सुशील शुक्ला ने कहा कि हमारा संविधान हमें इजाजत देता है कि स्वतंत्र रूप से हम अपने धर्म का पालन करते हुए दूसरे धर्म का भी आदर सम्मान करते हुए आपसी भाईचारे को मजबूती प्रदान करें। सिख समाज के प्रतिनिधि जितेंद्र सिंह सोढ़ी ने अपने दसवें गुरु के उपदेश को बताया की जंग के दौरान भी घायल दुश्मन की सेवा करके गुरु ने प्रेम का संदेश दिया है। ब्राम्हण समाज के प्रतिनिधि सतेंद्र तिवारी ,प्रीतपाल सिंह अरोरा,मौलाना अबरार मिस्बाही, पास्टर प्रणय टोप्पो, शादाब रिजवी, ने भी संबोधित कर अपने विचारों को रखा। पूरी दुनियां में जब मसीही समुदाय क्रिसमस त्योहार की तैयारी में जुटे हुए हैं, ऐसे माहौल में विभिन्न धर्मों के प्रतिनिधियों ने एक मंच पर आकर आपसी भाईचारे को बढ़ावा देने और विभाजनकारी ताकतों से सावधान रहने का आह्वान किया। मंच के प्रतिनिधियों ने सर्व सम्मति से ये तय किया है कि आने वाले दिनों में सभी धर्म के तीज त्योहारों पर स्वागत सत्कार व परिवारों में जाकर बधाई संदेश देकर आपसी भाईचारे को बढ़ाने काम निरन्तर हम सब मिलकर करेंगे। कार्यक्रम के दौरान त्रिभुवन सिंह, मृगेंद्र सिंह देव, अशफाक अली, राशिद खान, पार्षद कलीम अंसारी, फादर कल्यानुस मिंज, फ़ा अनिल एक्का, फ़ा अनुरंजन व सभी चर्च के प्रतिनिधि सिस्टर व गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सडक़ों का समतलीकरण ठीक से नहीं,उखडऩे की आशंका

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 17 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

शहर केदारपुर निवासी शिवेश सिंह बाबू ने शहर की सड़कों के निर्माण में सुधार की मांग को लेकर कलेक्टर को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में उन्होंने बताया कि कई वर्षों के बाद शहर में सडक़ों का निर्माण कार्य शुरू हुआ है, लेकिन इसमें रोड इंजीनियरिंग की कई खामियां नजर आ रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सडक़ों का समतलीकरण ठीक से नहीं किया गया है, जिसके कारण जल जमाव की समस्या पैदा हो सकती है और भविष्य में सडक़ें फिर से टूट सकती हैं। उन्होंने यह सुझाव दिया कि सडक़ों पर पानी डालकर गड्ढों की पहचान की जाए, ताकि जहां पानी का जमाव होता है,वहां समतलीकरण किया जा सके। इसके साथ ही उन्होंने कलेक्टर से यह आग्रह किया कि सडक़ों की लंबी आयु सुनिश्चित करने के लिए संबंधित निर्माण एजेंसियों को इस तकनीकी खामी को दूर करने के लिए निर्देशित किया जाए। उन्होंने यह भी मांग की कि उन दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई की जाए, जो सडक़ों पर वाहनों की धुलाई करते हैं, जिससे सडक़ों की स्थिति और बिगड़ रही है।

रामानुजगंज में विद्युत विभाग द्वारा लगाया गया शिविर

-संवाददाता-
बलरामपुर, 17 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

विद्युत विभाग के द्वारा रामानुजगंज वितरण केन्द्र में नये कनेक्शन, बिजली बिल में सुधार, पी.एम. सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना एवं बकायेदारों के विद्युत कनेक्शन विच्छेदन एवं वसूली हेतु शिविर का आयोजन किया गया। विद्युत विभाग कार्यपालन अभियंता ने जानकारी दी है कि शिविर में 77 नयें विद्युत कनेक्शन दिया गया, 17 नग त्रुटिपूर्ण विद्युत देयकों में सुधार कर पुनरीक्षित देयक जारी किया गया। बकायादार 748 उपभोक्ताओं से 13.40 लाख रुपये की राशि वसूल की गयी एवं 48 उपभोक्ताओं की लाईन काटी गयी। साथ ही पी.एम. सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत् घर की छत में सौर संयंत्र स्थापना हेतु प्रेरित किया गया। शिविर में नगर पालिका अध्यक्ष रामानुजगंज श्री रमन अग्रवाल, पार्षदगण, कार्यापालन अभियंता बलरामपुर श्री प्रकाश कुमार अग्रवाल, सहायक अभियंता, कनिष्ठ अभियंता एवं विभागीय कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में शामिल हुए।

नवीन छात्र-छात्राओं का नाम मतदाता सूची में जोड़ने शैक्षणिक संस्थानों के प्राचार्यों को जारी किया गया पत्र

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 17 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने शासकीय, अशासकीय एवं विभिन्न संस्थानों के प्राचार्यों को पत्र जारी कर निर्देशित किया है कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार महाविद्यालय में नवीन प्रवेशित छात्र-छात्राओं एवं ऐसे छात्र-छात्रा जो 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके हैं, किन्तु उनका नाम मतदाता सूची में अभी तक नहीं जुड़ पाया है। उन सभी छात्र-छात्राओं को चिन्हांकित करते हुए विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम अवधि तक ऑफलाईन फार्म (06) एवं Voters.eci.gov.in के माध्यम से ऑनलाइन फार्म भरवाया जाए।

ग्रामीण क्षेत्रों में किया जा रहा है डोर टू डोर कचरा संग्रहण

-संवाददाता-
सूरजपुर, 17 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन के निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ श्री विजेंद्र सिंह पाटले के मार्गदर्शन में जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान के अंतर्गत डोर टू डोर कचरा संग्रहण का कार्य निरंतर किया जा रहा है। इसी क्रम में जनपद सूरजपुर की ग्राम पंचायत तिलसीवा, जनपद प्रतापपुर की ग्राम पंचायत मरहट्ठा एवं चंदौरा, तथा जनपद रामानुजनगर की ग्राम पंचायत पोंडी और उमेशपुर में स्वच्छता दीदियों द्वारा घर-घर जाकर कचरा संग्रहण किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों को स्वच्छ, स्वस्थ एवं पर्यावरण के अनुकूल बनाना है। डोर टू डोर कचरा संग्रहण से गांवों में साफ-सफाई की स्थिति में सुधार हो रहा है, वहीं ग्रामीणों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता भी बढ़ रही है। उल्लेखनीय है कि जिला प्रशासन द्वारा स्वच्छ भारत मिशन के तहत ग्रामीण स्वच्छता को प्राथमिकता देते हुए इस अभियान को निरंतर आगे बढ़ाया जा रहा है।

कुर्सी पर सत्ता, खड़े जनप्रतिनिधि...
क्या यही है लोकतंत्र की 'खूबसूरती'?

-रवि सिंह-
कोरिया, 17 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)। यह तस्वीर सिर्फ एक ज्ञापन सौंपने का दृश्य नहीं है, यह लोकतंत्र के चरित्र पर लगा एक सवालिया निशान है,कोरिया कलेक्टर के कक्ष में कलेक्टर आराम से कुर्सी पर बैठी हैं, सामने जिला पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्य खड़े होकर ज्ञापन थमा रहे हैं और यहीं से सवाल शुरू होता है क्या जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों की यही है हैसियत? क्या प्रशासनिक पद, लोकतांत्रिक पदों से बड़ा हो गया है?

लोकतंत्र में कुर्सी नहीं, सम्मान ऊँचा होता है भारत का संविधान स्पष्ट है कलेक्टर नियुक्त होता है, जिला पंचायत अध्यक्ष चुना जाता है फिर भी दृश्य उलटा है जनादेश लेकर आए प्रतिनिधि खड़े हैं और सत्ता-तंत्र कुर्सी पर, यह कोई शिष्टाचार की छोटी सी भूल नहीं, यह प्रशासनिक अहंकार और राजनीतिक चुप्पी का संयुक्त प्रदर्शन है।

आज ज्ञापन, कल आदेश? : आज जनप्रतिनिधि ज्ञापन दे रहे हैं, कल शायद योजनाओं की फाइलें भी इसी मुद्रा में साइन होंगी और परसों जनता की आवाज़ भी खड़े होकर सुनी जाएगी यदि चुने हुए प्रतिनिधि ही सम्मान की लड़ाई नहीं लड़ेंगे, तो जनता की गरिमा कौन बचाएगा?

क्या यह प्रोटोकॉल है या प्रभुत्व?

कोई यह तर्क दे सकता है कि कलेक्टर अपने कक्ष में हैं, इसलिए बैठी हैं लेकिन सवाल यह है जब समान स्तर के संवैधानिक संस्थानों के प्रतिनिधि सामने हों, तो क्या प्रोटोकॉल का तकाज़ा नहीं कि कलेक्टर भी खड़ी हों? या कम से कम सम्मान की बराबरी दिखाई दे? यह दृश्य बताता है कि प्रशासन अब सेवा नहीं, सर्वोच्चता की मुद्रा में है।

सबसे चिंताजनक बात: जनप्रतिनिधियों की स्वीकृति

इस तस्वीर में सबसे पीड़ादायक बात यह नहीं कि कलेक्टर बैठी हैं, बल्कि यह है कि अध्यक्ष ने इसे स्वीकार किया, उपाध्यक्ष और सदस्य मौन हैं कोई आपत्ति नहीं, कोई असहजता नहीं, कोई सवाल नहीं, यही मौन कल को परंपरा बन जाता है, और परंपरा बनते ही लोकतंत्र कमजोर हो जाता है।

यह तस्वीर एक चेतावनी है

यह फोटो बताती है कि सत्ता का संतुलन बिगड़ रहा है, प्रशासन खुद को निर्वाचित संस्थाओं से ऊपर मानने लगा है और राजनीति ने टकराव की जगह समर्पण चुन लिया है लोकतंत्र की खूबसूरती कुर्सी में नहीं, बराबरी में होती है, यदि इस दृश्य को सामान्य मान लिया गया,तो आने वाले समय में जनप्रतिनिधि केवल नाम के रह जाएंगे और शासन पूरी तरह फाइलों व कुर्सियों से चलेगा, आखिरी सवाल क्या जिला पंचायत अध्यक्ष, इस दृश्य को सही ठहराएंगे? या अगली बार सम्मान के साथ, बराबरी में खड़े होने की माँग करेंगे? क्योंकि लोकतंत्र में खड़े होकर ज्ञापन देना अपमान नहीं होना चाहिए, लेकिन उसे चुपचाप स्वीकार कर लेना खतरे की घंटी है।

तस्वीर एवं घटनाक्रम के दृश्यात्मक विश्लेषण पर आधारित लेख

यह टिप्पणी केवल सार्वजनिक रूप से उपलब्ध तस्वीर एवं घटनाक्रम के दृश्यात्मक विश्लेषण पर आधारित है, इस लेख का उद्देश्य किसी व्यक्ति, अधिकारी या संवैधानिक पद पर आसीन संस्था की नीयत, ईमानदारी या कर्तव्यनिष्ठा पर आरोप लगाना नहीं है, यह लेख न्यायालय के अधिकार क्षेत्र,प्रशासनिक प्रक्रिया या व्यक्तिगत प्रतिष्ठा को ठेस पहुँचाने के उद्देश्य से नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों पर विमर्श के लिए प्रस्तुत किया गया है।

आत्मानंद विद्यालय प्रेमनगर में बाल विवाह मुक्त अभियान को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

-संवाददाता-
सूरजपुर, 17 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)। कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन के निर्देशानुसार एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री शुभम बंसल के मार्गदर्शन में आज विकासखंड प्रेमनगर के आत्मानंद विद्यालय में बाल विवाह मुक्त सूरजपुरदृबाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान जिला बाल संरक्षण अधिकारी श्री मनोज जायसवाल द्वारा बालिकाओं को बाल विवाह से होने वाले सामाजिक, शैक्षणिक एवं स्वास्थ्य संबंधी दुष्परिणामों की विस्तार से जानकारी दी गई। उन्होंने बालिकाओं को शिक्षा पर विशेष ध्यान देने, निरंतर अध्ययन करने एवं अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर उपस्थित छात्राओं एवं प्रतिभागियों को बाल विवाह मुक्त अभियान की शपथ दिलाई गई तथा समाज में बाल विवाह रोकने हेतु सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया गया। जिला प्रशासन द्वारा बाल विवाह की रोकथाम एवं बालिकाओं के सशक्तिकरण के लिए निरंतर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

सूरजपुर में इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी का जिला शाखा कार्यालय प्रारंभ

-संवाददाता-
सूरजपुर, 17 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)। जिला मुख्यालय में इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी के जिला शाखा कार्यालय का विधिवत पूजन कार्यक्रम आयोजित कर शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर पूजा-अर्चना के पश्चात कार्यालय में प्रवेश एवं कार्यभार ग्रहण कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी के चेयरमैन श्री बाबूलाल अग्रवाल ने कहा कि कार्यालय स्थापना का मूल उद्देश्य मानव, जन एवं समाज सेवा है। रेडक्रॉस का यह जिला शाखा कार्यालय जरूरतमंदों की सहायता के लिए सदैव तत्पर रहेगा और हर संभव मदद तत्काल पहुंचाने का प्रयास करेगा। इस अवसर पर रेड क्रॉस सोसाइटी सूरजपुर के

वाइस चेयरमैन श्री ओंकार पाण्डेय ने बताया कि रेड क्रॉस कार्यालय की स्थापना से रेड क्रॉस के आधारभूत कार्यों के क्रियान्वयन में गति आयेगी। सोसाइटी के मूल मंत्र का पालन करते हुए जरूरतमंद लोगों की हर संभव सहायता व मदद की जायेगी। कार्यालय पूजन कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य श्री लोकेश पैकरा, श्री मुरली मनोहर सोनी, श्री राजेश महलवाला, श्री शशिकांत गर्ग, श्री संदीप अग्रवाल, श्री अजय अग्रवाल, सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, पत्रकार बंधु व गणमान्य नागरिक, उपस्थित रहे।

जिले के 75 वरिष्ठ नागरिकों को कम्बल एवं श्रीफल भेंट कर किया गया सम्मानित, 2 वृद्धजनों को दिया गया श्रवण यंत्र

-संवाददाता-
जशपुरनगर, 17 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ राज्य गठन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रजत जयंती अवसर पर समाज कल्याण विभाग द्वारा 12 से 19 दिसम्बर तक विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। जिसका उद्देश्य राज्य की 25 वर्षों की विकास यात्रा को जनसामान्य के समक्ष प्रदर्शित करना है। इस विशेष सप्ताह के अंतर्गत 16 दिसंबर 2025 को समाज कल्याण जशपुर द्वारा जनक वृद्धाश्रम जशपुर नगर में जिला स्तरीय वरिष्ठ नागरिक सम्मान सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष श्री अरविन्द भगत द्वारा बताया गया कि वरिष्ठ हमारे समाज के अमूल्य धरोहर है। उनका जीवन का अनुभव हमारे जीवन के लिए धारणीय एवं अनुकरणीय है। जीवन से मृत्यु तक शासन की योजनाओं, के अलावा पेंशन योजना, मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना इत्यादि के बारे में वरिष्ठ

नागरिक को बताया गया। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष श्री अरविन्द भगत एवं पार्षद श्रीमती शैलेन्द्री यादव द्वारा जिले के 75 वरिष्ठ नागरिकों को कम्बल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। समारोह में उपस्थित 02 वृद्धजनों को श्रवण यंत्र प्रदान किया गया। समाज कल्याण जशपुर के श्री धर्मेंद्र कुमार साहू द्वारा 60 वर्ष या इससे अधिक आयु के वृद्धजनों के लिए समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं का संक्षिप्त व्याख्यान दिया गया। साथ ही सियान हेल्पलाइन 155326 के बारे में बताया गया।

महाविद्यालय में मद्यपान निषेध दिवस के अवसर पर किया गया जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

-संवाददाता-
सूरजपुर, 17 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)। समाज कल्याण विभाग सूरजपुर के अंतर्गत शासकीय रेवती रमण मिश्र स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सूरजपुर में मद्यपान निषेध दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस दौरान महाविद्यालय के प्राचार्य, प्राध्यापक गण, अधिकारी-कर्मचारी एवं विद्यार्थियों को मद्यपान से दूर रहने तथा समाज को नशामुक्त बनाने की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में वक्ताओं ने

मद्यपान से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्परिणामों की जानकारी देते हुए इसे त्यागने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है,बल्कि परिवार और समाज पर भी नकारात्मक प्रभाव डालता है। नशामुक्त समाज के निर्माण में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। शपथ कार्यक्रम के माध्यम से सभी उपस्थित जनों ने स्वयं नशा न करने एवं दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया।

व्यापार समाचार

घरेलू सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना चांदी के दाम 4 हजार रुपये प्रति किलो घटे

नई दिल्ली, 17 दिसम्बर 2025। घरेलू सर्राफा बाजार में बुधवार को जोरदार गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। सोना बुधवार को 1,420 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,540 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया। इसी तरह चांदी भी बुधवार को 4 हजार रुपये प्रति किलोग्राम से अधिक की गिरावट दर्ज की गई है। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में कीमत में आई इस कमजोरी के कारण 24 कैरेट सोना बुधवार को 1,33,850 रुपये से लेकर 1,34,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना बुधवार को 1,22,690 रुपये से लेकर 1,22,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में बुधवार को 2 लाख रुपये के स्तर से नीचे फिसल कर 1,99,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में बुधवार को 24 कैरेट सोना 1,34,000 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,22,840 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,33,850 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,22,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,33,900 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,22,740 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना बुधवार को 1,33,850 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,22,690 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,33,850 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,22,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,33,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,22,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

भारतीय शेयर बाजार में गिरावट का दौर जारी सेंसेक्स 120 अंक टूटा, निफ्टी 25900 के नीचे

नई दिल्ली, 17 दिसम्बर 2025। घरेलू शेयर बाजार बुधवार को लगातार तीसरे दिन कमजोरी के साथ बंद हुआ। बुधवार को कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में थोड़ी तेजी और आई,लेकिन पहले 20 मिनट के कारोबार के बाद ही मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इन दोनों सूचकांकों ने लाल निशान में गोता लगा दिया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.14 प्रतिशत और निफ्टी 0.16 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। बुधवार को दिनभर के कारोबार के दौरान मेटल, ऑयल एंड गैस और आईटी सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.85 प्रतिशत टूट कर बुधवार को कारोबार का अंत किया। बुधवार को शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में डेढ़ लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। इस तरह निवेशकों को बुधवार को कारोबार से करीब 1.60 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो

गया। बुधवार को दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,328 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,475 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,694 शेयरों में गिरावट का रुख रहा,वहीं 159 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में बुधवार को 2,853 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 873 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,980 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 17 शेयर बढ़त के साथ और 13 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 25 शेयर हरे निशान में और 25 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स बुधवार को 176.40 अंक की मजबूती के साथ 84,856.26 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 209.59 अंक की बढ़त के साथ 84,889.45 अंक तक पहुंच गया। हालांकि पहले 20 मिनट के कारोबार के बाद ही बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से सेंसेक्स ने सारी बढ़त गंवा कर लाल निशान में गोता लगा दिया।

लगातार हो रही बिकवाली के कारण दोपहर 1 बजे के करीब ये सूचकांक ऊपरी स्तर से 470 अंक से ज्यादा टूट कर 263.88 अंक की कमजोरी के साथ 84,415.98 अंक के स्तर तक गिर गया। शाम 3 बजे के करीब खरीदारों ने एक बार फिर जोर लगाया, जिसके कारण सेंसेक्स निचले स्तर से 140 अंक से अधिक की रिकवरी करके 120.21 अंक की गिरावट के साथ 84,559.65 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

आईओबी की बिक्री पेशकश खुली सरकार 3 फीसदी तक हिस्सेदारी बेचेगी

नई दिल्ली, 17 दिसम्बर 2025। सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन ओवरसीज बैंक की बिक्री पेशकश गैर-खुदरा निवेशकों के लिए 34 रुपये प्रति शेयर के न्यूनतम मूल्य पर बुधवार को अभिदान के लिए खुली। वहीं, खुदरा निवेशकों के लिए बिक्री पेशकश गुरुवार को खुलेगी। इंडियन ओवरसीज बैंक के शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर शुरुआती कारोबार में 5.4 फीसदी गिर गए, जबकि इंट्रा-डे में 34.57 रुपये प्रति शेयर के निचले स्तर पर पहुंच गए। शेयर में यह बिकवाली का दबाव तब आया जब सरकार ने ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के जरिए बैंक की 3 फीसदी तक इक्विटी बेचने का प्रस्ताव दिया। शेयर बिक्री विवरण के अनुसार खुदरा निवेशकों के लिए बिक्री पेशकश गुरुवार को खुलेगी। वित्त मंत्रालय के निवेश और सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) सचिव के मुताबिक सरकार ने इंडियन ओवरसीज बैंक में तीन फीसदी तक हिस्सेदारी का विनिवेश बिक्री पेशकश के जरिए करने का फैसला किया है। सरकार न्यूनतम मूल्य पर तीन फीसदी हिस्सेदारी बेचकर करीब 1,960 करोड़ रुपये जुटाएगी। इंडियन ओवरसीज बैंक के ओएफएस के लिए न्यूनतम मूल्य 34 रुपये प्रति शेयर निर्धारित किया गया है। वहीं, आईओबी ने शेयर बाजार को दी गई सूचना में बताया कि सरकार मूल पेशकश के तहत दो फीसदी हिस्सेदारी के बराबर 38.51 करोड़ शेयर बेचेगी।

सेबी की बोर्ड बैठक में बड़े सुधारों को मंजूरी, म्यूचुअल फंड खर्च फीस में किया बदलाव

नई दिल्ली, 17 दिसम्बर 2025। पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के निदेशक मंडल की बुधवार को हुई बैठक में कई महत्वपूर्ण सुधारों को मंजूरी दी गई है। सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय की अध्यक्षता में उच्च-स्तरीय समिति की सिफारिशों की समीक्षा की गई, जिसमें हितों के टकराव और वरिष्ठ अधिकारियों की संपत्ति संबंधी खुलासों पर भी ध्यान दिया गया। पांडेय के सेबी प्रमुख बनने के बाद निदेशक मंडल की यह चौथी बैठक थी। इस बैठक में निदेशक मंडल ने कंपनियों के लिए कोष जुटाने के समय पेश किए जाने वाले निर्गम दस्तावेज को सरल बनाने का प्रस्ताव मंजूर किया। इससे निवेशकों को निवेश के फैसले लेने में आसानी होगी और वे कम समय में ही मुख्य बिंदुओं की जानकारी जुटा पाएंगे। इसके अलावा म्यूचुअल फंड योजनाओं में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए समग्र खर्च अनुपात (टीईआर) को अलग-अलग घटकों में तोड़ने की मंजूरी भी दी गई। इससे निवेशक यह समझ सकेंगे कि टीईआर में से कितनी राशि स्टांप शुल्क, प्रतिभूति लेन-देन कर (एसटीटी) और माल एवं सेवा कर (जीएसटी) जैसे कानूनी मदों में जा रही है। सेबी बोर्ड ने बॉन्ड या ऋण निर्गम में भी विशेष श्रेणी के निवेशकों को प्रोत्साहन देने की अनुमति दी। निदेशक मंडल ने बड़ी कंपनियों पर अनुपालन का बोझ कम करने के लिए उच्च ऋण मूल्य वाली सूचीबद्ध इकाइयों (एचवीडीएलई) की पहचान के लिए ऋण-सीमा को 1 हजार करोड़ रुपये से बढ़ाकर 5,000 करोड़ रुपये करने का प्रस्ताव भी मंजूर किया।

तीन महीने की दहशत पर लगा विराम

मनेन्द्रगढ़ में मादा भालू व दो शावक

पिंजरे में कैद

आखिरकार थमी भालू की दहशत,मनेन्द्रगढ़ ने ली राहत की सांस

रातों की नींद उड़ाने वाली मादा भालू पकड़ाई,शहर में लौटा सुकून

मनेन्द्रगढ़ में भालू आतंक का अंत,वन विभाग को बड़ी कामयाबी

-संवाददाता-

एमसीबी/मनेन्द्रगढ़, 17 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)।

मनेन्द्रगढ़ शहर और आसपास के इलाकों में पिछले करीब तीन महीनों से दहशत का पर्याय बनी मादा भालू और उसके दो शावकों को आखिरकार वन विभाग ने सफलतापूर्वक पकड़ लिया। भालुओं की गिरफ्त में आने के साथ ही शहरवासियों ने राहत की सांस ली है।

जानकारी के अनुसार,मादा भालू अपने दो शावकों के साथ मनेन्द्रगढ़ के विभिन्न वार्डों, रिहायशी इलाकों,खेतों और राष्ट्रीय राजमार्ग से लगे क्षेत्रों में लगातार विचरण कर रही थी। खासकर रात के समय भालुओं की आवाजाही से आम नागरिकों में भय का माहौल बना हुआ था, कई बार अचानक भालू सामने आ जाने से लोग जान बचाकर भागते नजर आए,इन घटनाओं के दौरान भालू के हमलों में कई लोग घायल भी हुए,जिनमें कुछ को गंभीर चोटें आईं। इससे स्थानीय लोगों में वन विभाग के प्रति नाराजगी भी बढ़ती जा रही थी।

वन परिक्षेत्राधिकारी का स्वागत

भालू के सकुशल रेस्क्यू के बाद कांग्रेस पदाधिकारियों ने वन परिक्षेत्राधिकारी का फूल-माला से स्वागत कर समस्या के समाधान हेतु आभार व्यक्त किया। इस दौरान नगर पालिका की प्रथम नागरिक भी उपस्थित रहीं,शहरवासियों ने राहत जताते हुए कहा कि अब उन्हें अपने और अपने परिवार की सुरक्षा को लेकर व्याप्त भय से मुक्ति मिली है।

वन विभाग की मेहनत की सराहना

भालुओं को पकड़ने के लिए वन विभाग ने कई दिनों तक लगातार मेहनत की। अलग-अलग स्थानों पर पिंजरे लगाए गए और पूरी टीम के साथ अभियान चलाया गया। इस प्रयास की सराहना करते हुए शहरवासियों और विभिन्न राजनीतिक दलों के लोगों ने वन विभाग को धन्यवाद ज्ञापित किया है।

विशेष रणनीति से रेस्क्यू में मिली सफलता

लगातार बढ़ती घटनाओं और जनदबाव को देखते हुए वन विभाग ने विशेष रणनीति बनाकर भालू और उसके शावकों को पकड़ने का निर्णय लिया। राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित हसदेव इन होटल के समीप उपयुक्त स्थान पर पिंजरा लगाया गया,मंगलवार देर रात दोनों शावक पिंजरे में फंस गए, जबकि मादा भालू सतर्कता बरतते हुए मौके से निकल गई,बुधवार को मादा भालू अपने बच्चों को छुड़ाने के प्रयास में शहर के आसपास,कॉलेज परिसर और वन मंडल क्षेत्र में विचरण करती नजर आई। इसके बाद वन विभाग ने ट्रैक्यूलाइजेशन की कार्रवाई तेज की, कानन पेंडारी, बिलासपुर से आई वेटनरी डॉक्टरों की टीमडॉ. चंदन और डॉ. अजीत पांडेय और मनेन्द्रगढ़ वन विभाग की संयुक्त टीम ने मादा भालू को वन परिसर के भीतर बेहोश कर सुरक्षित रूप से पिंजरे में कैद किया, बाद में मादा भालू और उसके दोनों शावकों को एक ही पिंजरे में शिफ्ट कर दिया गया, रेस्क्यू की खबर फैलते ही पकड़े गए भालुओं को देखने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी।

राजनीतिक बयान भी आए सामने...

कांग्रेस प्रवक्ता सौरव मिश्रा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दावा किया कि कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं की लगातार मांग,आंदोलन और जनदबाव के चलते ही वन विभाग हरकत में आया। उन्होंने कहा कि डीएफओ से शिकायत,कार्यालय घेराव,रेंजर से सवाल और पुलिस थाने तक शिकायत के बाद करीब चार महीने में यह कार्रवाई संभव हो सकी, उन्होंने यह भी कहा कि जनता की सुरक्षा और आदिवासियों के अधिकारों के लिए संघर्ष आगे भी जारी रहेगा।

राष्ट्रीय पेंशनर्स दिवस पर जिला सूरजपुर पेंशनर समाज का सम्मान समारोह

-संवाददाता-

सूरजपुर, 17 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)।

राष्ट्रीय पेंशनर्स दिवस के अवसर पर जिला सूरजपुर पेंशनर समाज द्वारा गरिमामय समारोह का आयोजन कर पेंशनर्स दिवस मनाया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ पेंशनर्स एवं नवीन पेंशनर्स का माल्यार्पण कर सम्मान किया गया, कार्यक्रम में जिला पेंशनर समाज के जिलाध्यक्ष दयानन्द चौबे, सचिव मो. सलीम, कोषाध्यक्ष शेख इस्तियाक, संरक्षक एस.के. तिवारी सहित भैयाथान से भूमिनाथ चतुर्वेदी, रामानुजनगर से सी.वी.एल. कुशवाहा,पेंशनर्स हरिश शुक्ला एवं सोनी जी का विशेष रूप से सम्मान किया गया।

समारोह में उपस्थित सभी सदस्यों का पुष्पहार पहनाकर स्वागत किया गया। स्वागत क्रम में नसीम अहमद सिद्दीकी, शेख इस्तियाक, जयकृष्ण ओझा, आर.एस. मिश्रा, प्रवीण तिवारी, आर.एस. यादव, बृजलाल सोनवानी, हरिश कुमार, आर.बी. शिवहरे, रामआधार सोनवानी, राम अनुज साह, राजेन्द्र प्रसाद साहू, पारसनाथ दुबे, कैलाशनाथ राम, हीरामनी पांडेय, सी.वी.एल. कुशवाहा, विक्रम प्रसाद सोनी, रमेश कुमार पैकरा, आर.एस. ठाकुर, शिवशंकर साहू एवं शिवकुमार पाण्डेय उपस्थित रहे, कार्यक्रम के दौरान सभी पेंशनर्स ने अपने-अपने विचार व्यक्त करते हुए पेंशनर्स की समस्याओं, अधिकारों एवं सामाजिक भूमिका पर प्रकाश डाला, कार्यक्रम का संचालन भूमिनाथ चतुर्वेदी द्वारा किया गया।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-2 ,जिला-सरगुजा,छत्तीसगढ़

रा0प्र0क0... /ब-121/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका बुधनी बाई बेवा शिवरतन, व अन्य 03, निवासी ग्राम मेण्ड्राखुर्द, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 115 के अंतर्गत आवेदन श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी (रा0) अम्बिकापुर के समक्ष प्रस्तुत कर बताया गया है कि आवेदक के स्वामित्व एवं आधिपत्य की ग्राम मेण्ड्राखुर्द स्थित भूमि खसरा नंबर 284/3, 736/14, 736/20, 781/2, 800, 803/11, 867/1 कुल खसरा 09, कुल रकबा 1.561 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखों में त्रुटिवश अनावेदिका रूगमेन बाई पति घूरन, व अन्य 04 का नाम दर्ज हो गया है। आवेदिकागण द्वारा उक्त त्रुटि को सुधार किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है । जो जांच व प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 9/01/2026 को न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

आज दिनांक 02/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी ।

सील

अतिरिक्त तहसीलदार
अम्बिकापुर-02

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर ,जिला-सरगुजा,छत्तीसगढ़

रा0प्र0क्र0 202509020700127 /अ-27/2024-25

फर्द बटवारा का अंतिम प्रकाशन

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय के रा0प्र0क्र0 202509020700127 /अ-27 / 2024-25 पक्षकार देवदास प्रति दिलिप मजूमदार वगै. में ग्राम सुभाषनगर स्थित खसरा नंबर 79/1, 86 रकबा क्रमशः 0.620, 1.530 हे. भूमि का फर्द बंटवारा सूची हल्का पटवारी से प्राप्त हुआ है, जिसका अंतिम प्रकाशन कराया जा रहा है। अतः उक्त फर्द बंटवारा में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 05/01/2026 को न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय 1 के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

आज दिनांक 12/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील

तहसीलदार
अम्बिकापुर,सरगुजा(छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार लखनपुर ,जिला-सरगुजा,छत्तीसगढ़

ईश्तहार

लखनपुर दिनांक ....

प्रति,

समस्त ग्रामवासी
ग्रामः-जोधपुर
तहसील- लखनपुर

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक / आवेदिका सुनिता देवी आ0 स्व0 करमू निवासी ग्राम जोधपुर तहसील लखनपुर के द्वारा अपने मां स्व0 ढोली का मृत्यु दिनाँक 08/05/2009 को हो जाने से (जन्म/मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 13 (3) एवं छ0ग0 जन्म मृत्यु रिज0 नियम 2001 के नियम 9 (3) के तहत मृत्यु प्रमाण पत्र हेतु आवेदन इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है। जिस पर दिनॉक 24/12/2025 को सूनवाई की जानी है।

आवेदक/ आवेदिका के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से पेशी तिथि 24/12/2025 के पूर्व इस न्यायालय में आपत्ति पेश कर सकता है। नियत दिनॉक के पश्चात् प्राप्त होने वाले दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा ।

सील

तहसीलदार
लखनपुर,सरगुजा(छ.ग.)

न्यायालय नजूल अधिकारी,अम्बिकापुर जिला-सरगुजा,छत्तीसगढ़

रा0प्र0क0... /अ-6/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक विजय अग्रवाल आ. स्व. प्रभु अग्रवाल, उम्र 38 वर्ष, निवासी वार्ड क्रमांक 32, गुरूद्वारा गली मायापुर, अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ.ग.) के द्वारा तदाशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदक के पिता प्रभु अग्रवाल आ.स्व. जगमोहन अग्रवाल एवं माता शांति देवी अग्रवाल पति प्रभु अग्रवाल के द्वारा स्वयं के संयुक्त स्वामित्व व आधिपत्य की शीट नं. 03, मोहल्ला कौवाडांड नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लॉट नं. 1509/3, 1510 / 1 रकबा क्रमशः 1633.50, 108.90 वर्गमीटर कुल रकबा 1742 वर्गफिट भूमि का पंजीबद्ध वसीयतनामा दिनांक 30.06.2022 का निष्पादन आवेदक के पक्ष में किया गया है। अतः उक्त पंजीबद्ध वसीयत पत्र के आधार पर उक्त नजूल भूमि के नजूल अभिलेख से भूधारक का नाम विलोपित कर स्वयं का नाम दर्ज कराने हेतु आवेदक द्वारा पंजीबद्ध वसीयत पत्र की छायाप्रति भय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-07/01 / 2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 01/12/2025 को मेरे न्यायलयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर,सरगुजा

न्यायालय नजूल अधिकारी,अम्बिकापुर जिला-सरगुजा,छत्तीसगढ़

रा0प्र0क0... /अ-20(3)/ 2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदिका श्रीमती अन्नपूर्णा मण्डल पति स्व0 डी0 मण्डल उम्र लगभग 73 वर्ष जाति बंगाली निवासी भटगांव तहसील सूरजपुर जिला-सूरजपुर छ0म0 के द्वारा शीट नम्बर -01 मोहल्ला नवापारा जवाहर मार्केट नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड क्रमांक 3 / 95003.1/2 एकड़ (1500 वर्गफीट भूमि को रूपये 50,00,000-00 (पचास लाख) में अनावेदक / केता श्रीमती क्षमा सिंह पति दिनेश कुमार सिंह उम्र 45 वर्ष निवासी डी0सी0 रोड नगर अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 के पास बिकय करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु मेन्टनेन्स खसरा शपथ पत्र की छायाप्रति सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 07/01/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा।

आज दिनांक-15/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर,सरगुजा

10 दिन बाद मिली गुम जांच फाइल

कलेक्टर ने डीईओ से मांगी जवाबदेही

-रवि सिंह-

कोरिया/एमसीबी, 17 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय पोड़ीडीह (विकासखंड खड़गवां) में वर्ष 2018 से 2021 के बीच हुए करोड़ों रुपये के कथित भ्रष्टाचार से जुड़ी जांच फाइल,जिसे लेकर प्रशासनिक स्तर पर लंबे समय से असमंजस बना हुआ था,आखिरकार दैनिक घटती घटना में खबर प्रकाशित होने के 10 दिन बाद कोरिया जिले के कलेक्टर कार्यालय में मिलने की पुष्टि हुई है,गौरतलब है कि 6 दिसंबर 2025 को दैनिक घटती घटना ने यह खबर प्रमुखता से प्रकाशित की थी कि एकलव्य विद्यालय पोड़ीडीह के भ्रष्टाचार की जांच से संबंधित महत्वपूर्ण फाइल गुम है और वर्षों से उस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो पा रही है।

बता दे की एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय पोड़ीडीह (विकासखंड खड़गवां) में वर्ष 2018 से 2021 के बीच हुए करोड़ों रुपये के भ्रष्टाचार से जुड़ी जांच फाइल, जो लंबे समय से 'गुम' बताई जा रही थी, आखिरकार दैनिक घटती घटना में खबर प्रकाशित होने के 10 दिन बाद कलेक्टर कार्यालय कोरिया में मिलने की पुष्टि हुई है, खबर प्रकाशित होने के बाद प्रशासन हरकत में आया और 15 दिसंबर 2025 को कलेक्टर (आदिवासी विकास) कोरिया द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी कोरिया एवं मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर को पत्र जारी कर यह पूछा गया कि जांच पूरी होने के बावजूद अब तक कार्रवाई क्यों नहीं की गई, पत्र में स्पष्ट रूप से उल्लेख है कि एकलव्य विद्यालय पोड़ीडीह में 2017-18 से 2021-22 तक पदस्थ रहे प्राचार्य/प्रभारी प्राचार्य एवं छात्रावास अधीक्षक के कार्यकाल की जानकारी तत्काल उपलब्ध कराई जाए।

फाइल गुम नहीं थी,इच्छाशक्ति गुम थी...

एकलव्य आवासीय विद्यालय पोड़ीडीह का मामला यह साबित करता है कि जब तक मीडिया सवाल नहीं करता,तब तक सिस्टम सोता रहता है,जांच हो चुकी थी,भ्रष्टाचार की पुष्टि हो चुकी थी,फिर भी वर्षों तक कार्रवाई नहीं हुई, सवाल यह नहीं कि फाइल कहां थी सवाल यह है कि कार्रवाई क्यों नहीं थी? क्या यह महज लापरवाही थी? या फिर जानबूझकर आदिवासी बच्चों के हक को दबाया गया? कोरोना काल में जब स्कूल और छात्रावास बंद थे, तब भी खरीदी कैसे हुई? और अगर यह सब जांच में साबित हुआ,तो दोषियों पर कार्रवाई क्यों नहीं? अब जब फाइल 'मिल गई' है, तो उम्मीद नहीं जवाबदेही तय होनी चाहिए।

खबर के बाद हरकत में आया प्रशासन

खबर प्रकाशित होने के बाद प्रशासनिक हलकों में हलचल तेज हुई और अंततः यह फाइल कलेक्टर कार्यालय, कोरिया में मिलने की जानकारी सामने आई, फाइल मिलने के बाद 15 दिसंबर 2025 को कलेक्टर (आदिवासी विकास) कोरिया की ओर से पहला आधिकारिक पत्र जारी किया गया,इस पत्र में जिला शिक्षा अधिकारी, कोरिया एवं जिला शिक्षा अधिकारी, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर से यह स्पष्ट जानकारी मांगी गई है कि एकलव्य आवासीय विद्यालय पोड़ीडीह में वर्ष 2017-18 से 2021-22 की अवधि में पदस्थ रहे प्राचार्य/प्रभारी प्राचार्य एवं छात्रावास अधीक्षक के विरुद्ध भ्रष्टाचार की जांच होने के बाद भी अब तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई?

अब नजर कार्रवाई पर...

अब जबकि फाइल मिल चुकी है और कलेक्टर ने आधिकारिक रूप से जवाबदेही तय करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, सवाल यह है कि क्या इस बार केवल पत्राचार तक मामला सीमित रहेगा? या वास्तव में दोषियों पर कार्रवाई होगी? क्या वर्षों से प्रतीक्षा कर रहे आदिवासी बच्चों को न्याय मिलेगा? दैनिक घटती घटना इस पूरे मामले पर अपनी नजर बनाए रखेगा।

एकलव्य आवासीय विद्यालय पोड़ीडीह भ्रष्टाचार मामला फिर सुर्खियों में...

एकलव्य विद्यालय पोड़ीडीह भ्रष्टाचार की गुम जांच फाइल 10 दिन बाद मिली

खबर छपते ही हरकत में प्रशासन, कलेक्टर ने डीईओ से मांगी जवाबदेही

2018-21 के करोड़ों के घोटाले पर वर्षों तक चुप्पी, अब पत्राचार शुरू

अगर मीडिया नहीं बोलता,तो क्या फाइल कभी मिलती?

खबर ने खोली अलमारी,फाइल निकली बाहर

दैनिक घटती-घटना में 6 दिसंबर को खबर छपने के बाद ही वर्षों से 'गुम' बताई जा रही जांच फाइल कलेक्टर कार्यालय में मिलने की पुष्टि हुई।

सबसे संवेदनशील प्रश्न

अगर जांच पूरी थी, तो कार्रवाई किसने रोकी?

फाइल वर्षों तक किस अधिकारी के पास थी?

क्या आदिवासी विकास विभाग और शिक्षा विभाग के बीच तालमेल की कमी थी?

या फिर यह संरक्षण आधारित चुप्पी थी?

क्या मीडिया दबाव न होता तो आज भी फाइल गुम रहती?

'खबर छपी तो फाइल मिली,वरना आदिवासी बच्चों का हक दबा ही रहता'

पत्र में क्या कहा गया है?

कलेक्टर कार्यालय द्वारा जारी पत्र में साफ तौर पर कहा गया है कि शिकायत एवं जांच पहले ही हो चुकी है, जांच में अनियमितताओं की पुष्टि भी सामने आई थी, इसके बावजूद संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध किसी भी प्रकार की विभागीय या दंडात्मक कार्रवाई नहीं की गई, अब तत्काल यह जानकारी उपलब्ध कराई जाए कि, जिम्मेदार अधिकारी कौन थे,किस स्तर पर कार्रवाई रुकी, फाइल किसके पास और क्यों लंबित रही

सबसे बड़ा सवालः फाइल गुम कैसे हुई?

इस पूरे प्रकरण में सबसे बड़ा और गंभीर सवाल यही है कि इतनी गंभीर जांच फाइल वर्षों तक कहां थी? क्या जानबूझकर फाइल को दबाया गया? क्या प्रभावशाली अधिकारियों या राजनीतिक संरक्षण के चलते कार्रवाई रोकी गई? और सबसे अहम अगर मीडिया में खबर नहीं छपती, तो क्या यह फाइल कभी सामने आती?

आदिवासी बच्चों के हक से जुड़ा मामला

यह मामला केवल कागजी भ्रष्टाचार तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे सीधे तौर पर आदिवासी बच्चों के शिक्षा, भोजन, आवास और भविष्य का अधिकार जुड़ा हुआ है,कोरोना काल में विद्यालय बंद रहने के बावजूद करोड़ों की खरीदी, निर्माण और व्यय को लेकर पहले ही सवाल उठ चुके हैं।

जांच हुई, पुष्टि हुईजफिर कार्रवाई क्यों नहीं?

जांच में भ्रष्टाचार की पुष्टि के बावजूद न प्राचार्य पर कार्रवाई, न जिम्मेदार अफसरों पर कोई दंड आखिर किसके संरक्षण में रुकी फाइल?

आदिवासी बच्चों के हक पर चुप्पी क्यों?

यह केवल फाइल नहीं,बल्कि आदिवासी बच्चों के भोजन, शिक्षा और भविष्य से जुड़ा मामला है फिर भी वर्षों तक अनदेखी क्यों?

एकलव्य आवासीय विद्यालय पोड़ीडीह,2017-18 से 2021-22 व जिम्मेदारी बनाम कार्यकाल

1. सुश्री बी. बड़ा

पदः विकासखंड शिक्षा अधिकारी (प्रभारी प्राचार्य)
कार्यकालः मार्च 2017 - 10.12.2019
जिम्मेदारीः प्रारंभिक वर्षों की बड़ी खरीदी, क्रय प्रक्रिया व स्टॉक संधारण
स्थितिः क्रय समिति रिकॉर्ड नहीं
स्टॉक पंजी अपूर्ण

2. श्री शैलेन्द्र कुमार मिश्रा

पदः प्रभारी प्राचार्य
कार्यकालः 10.12.2019 - 10.02.2021
जिम्मेदारीः सर्वाधिक व्यय इसी अवधि में, भुगतान अनुमोदन
स्थितिः एक भी क्रय समिति बैठक नहीं सामग्री भौतिक सत्यापन में अनुपस्थित घोटाले का मुख्य कालखंड

3. श्री ललित शुक्ला

पदः सहायक आयुक्त (प्रभारी प्राचार्य)
कार्यकालः 10.02.2021 - 18.03.2021
जिम्मेदारीः प्रभार ग्रहण के समय सुधार
स्थितिः अव्यवस्था यथावत

4. श्री द्वारिका प्रसाद मिश्रा

पदः विकासखंड शिक्षा अधिकारी (प्रभारी प्राचार्य)
कार्यकालः 18.03.2021 - 12.11.2021
जिम्मेदारीः क्रय पंजी पर हस्ताक्षर
स्थितिः बिना बैठक हस्ताक्षर स्वीकार प्रक्रियात्मक उल्लंघन स्वीकार

5. श्री भागवत सिंह

पदः प्राचार्य
कार्यकालः 12.11.2021 - वर्तमान
जिम्मेदारीः जांच के समय पदस्थ
स्थितिः दस्तावेज़ उपलब्ध कराए, पूर्व कार्यकाल की गड़बड़ियाँ उजागर
छात्रावास स्तर

6. श्री रामकुमार खुटे

पदः अधीक्षक
कार्यकालः 03.06.2019 - 18.03.2021
मुद्दाः निजी वाहन पर सरकारी भत्ता
श्रीमती रजनी तिग्गा
पदः बालिका छात्रावास अधीक्षिका
स्थितिः क्रय समिति/सत्यापन की जानकारी नहीं

7. श्री रामप्रसाद सिंह

पदः बालक छात्रावास अधीक्षक
स्थितिः निरीक्षण में सामग्री गायब
संभावित जिम्मेदारियांः- तत्कालीन प्राचार्य / प्रभारी प्राचार्य, छात्रावास अधीक्षक, जिला शिक्षा अधिकारी (तत्कालीन),आदिवासी विकास विभाग,जांच रिपोर्ट को लंबित रखने वाले अधिकारी

आवश्यकता है

दैनिक समाचार पत्र में कार्य करने हेतु निम्न पदों के लिए योग्य कर्मठ, जुझारू, महिला/पुरूष की आवश्यकता है।

स.क्र.	पद	संख्या	वेतन
01	सह संपादक	1 पद	15,000
02	समाचार संपादक	1 पद	15,000
03	प्रबंध संपादक	1 पद	15,000
04	विज्ञापन प्रभारी	2 पद	10,000 से 15,000
05	ब्यूरो चीफ	1 पद	10,000 से 15,000
06	संवाददाता	2 पद	8000 से 12,000
07	कार्यालय सहायक	1 पद	7000

नोटः- आवेदक फोन पर संपर्क ना करें। स्वयं बायोडाटा के साथ कार्यालय में संपर्क करें।

पता-कार्यालय दैनिक समाचार पत्र घटती-घटना शनि मंदिर के पास, नमनाकला, अम्बिकापुर छत्तीसगढ़, मो.नं. - 93401 54656, 98265-32611

रामगढ़-सोनहत-कोटाडोल सड़क निर्माण पर अटका 46 करोड़ का प्रोजेक्ट

पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने लोक निर्माण सचिव को लिखा पत्र,शीघ्र अनुमति की मांग

46 करोड़ की रामगढ़-कोटाडोल सड़क पर ब्रेक, पूर्व विधायक ने लिखा पीडब्ल्यूडी सचिव को पत्र

भूपेश सरकार में मिली थी स्वीकृति, भाजपा सरकार में अटका निर्माण

शासकीय मितव्ययता अनुमति बनी बाधा,जनता में बढ़ता आक्रोश

दर्जनों गांवों की जीवनरेखा ठंडे बस्ते में,आंदोलन की चेतावनी

-संवाददाता-

एमसीबी,17 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)। जिला कोरिया के विकासखंड सोनहत अंतर्गत ग्राम रामगढ़ से ग्राम कोटाडोल (27.20 कि.मी.) तक प्रस्तावित सड़क निर्माण को लेकर एक बार फिर सियासत और प्रशासन आमने-सामने आ गया है, भरतपुर-सोनहत विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 01 के पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने छत्तीसगढ़ शासन के लोक निर्माण विभाग के सचिव को पत्र लिखकर इस बहुप्रतीक्षित सड़क निर्माण कार्य को शीघ्र प्रारंभ कराने की मांग की है।

पूर्व विधायक ने पत्र के माध्यम से स्पष्ट किया कि भूपेश बघेल सरकार के कार्यकाल में इस सड़क निर्माण के लिए ?46.95 करोड़ की प्रशासकीय स्वीकृति दिनांक 22 सितंबर 2023 को जारी हो चुकी है। वर्तमान में केवल वित्त विभाग के निर्देशानुसार शासकीय मितव्ययता की अनुमति लंबित है, अनुमति मिलते ही जनहित में सड़क निर्माण कार्य तत्काल प्रारंभ किया जा सकता है।

दर्जनों गांवों को जोड़ने वाली सड़क ठंडे बस्ते में

रामगढ़-कोटाडोल सड़क के निर्माण से देवसिल कटवार, रौंख मसर्रा,सोनवाही,सीतापुर,नटवाही,चुलादार,कुहूकपुर, मनियारी, बडेरा, बड़गांव खुर्द, बड़गांव कला सहित दर्जनों बड़े ग्रामों को सीधा लाभ मिलता,लेकिन स्वीकृति के बाद भी सड़क का निर्माण ठंडे बस्ते में चले जाने से ग्रामीणों में निराशा और आक्रोश दोनों बढ़ते जा रहे हैं।

लंबे समय से जनता की मांग

उल्लेखनीय है कि पूर्ववर्ती सरकार के दौरान ग्रामीणों द्वारा इस सड़क की मांग लगातार उठाई जाती रही। जब-जब विधायक क्षेत्र के दौरे पर आते थे,यह सड़क ग्रामीणों की प्रमुख मांग होती थी,ग्रामीणों की मांग और पूर्व विधायक गुलाब कमरो के सतत प्रयासों के बाद तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इस सड़क निर्माण की घोषणा की थी, जिसके बाद सितंबर 2023 में स्वीकृति आदेश और राशि जारी हुई।

आंदोलन की चेतावनी

पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही इस सड़क निर्माण को लेकर ठोस निर्णय नहीं लिया गया, तो बड़ा जनआंदोलन किया जाएगा, ताकि जनता की आवाज शासन तक पहुंच सके,उन्होंने कहा कि सड़क का लंबे समय से अटका रहना अब क्षेत्रीय जनता के धैर्य की परीक्षा बन गया है।

सरकार बदली,प्रक्रिया अटकी

पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार बनने के बाद से टेंडर प्रक्रिया और विभागीय अनुमतियों में अनावश्यक देरी हो रही है, जिसके कारण यह महत्वपूर्ण सड़क परियोजना आज तक कागज़ों में ही सीमित है,उन्होंने कहा कि यह मार्ग केवल एक सड़क नहीं,बल्कि क्षेत्र की जीवनरेखा है,जिससे आवागमन, शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक गतिविधियों को सीधा लाभ मिलेगा।

पूर्व में भी लिखा गया था पत्र

पूर्व विधायक ने बताया कि इस विषय में वे पहले भी लोक निर्माण विभाग के सचिव को पत्र लिख चुके हैं। पत्र में उल्लेख किया गया था कि द्वितीय अनुपूरक बजट वर्ष 2022-23 में स्वीकृत इस निर्माण कार्य के लिए पूरी राशि और प्रशासकीय अनुमति पहले ही दी जा चुकी है, इसके बावजूद अब तक न तो कार्य प्रारंभ हुआ और न ही कोई ठोस विभागीय कार्रवाई सामने आई है।

एक रुपया है नहीं...इसलिए नेहा धूपिया के पिता ने अंगद बेदी से शादी कराने से किया था इनकार

नेहा धूपिया और अंगद बेदी की 2018 की अचानक शादी ने सबको चौंका दिया था। हाल ही में अंगद ने खुलासा किया कि नेहा के माता-पिता ने शुरुआत में उन्हें शादी के लिए मना कर दिया था, क्योंकि उनके पास पैसे नहीं थे। अंगद ने नेहा के माता-पिता को समझाया कि वह कुछ बन जाएंगे लेकिन वो नहीं मानें। साल 2018 में नेहा धूपिया और अंगद बेदी की शादी ने कई लोगों को सरप्राइज कर दिया था। कपल ने परिवार के कुछ सदस्य और दोस्तों की मौजूदगी में एक इंटीमेटसेरेमनी में शादी कर ली। दोनों की डेटिंग की खबर मीडिया में कभी नहीं आई इसलिए उनकी अचानक हुई शादी ने सभी को शॉक में डाल दिया।

अंगद बेदी के सामने आई कई चुनौतियां

अब हाल ही में एक इंटरव्यू में अंगद बेदी खुलासा किया कि नेहा धूपिया से शादी करने की मंजूरी पाने के लिए उन्हें कितने पापड़ बेलने पड़े। अभिनेता ने बताया कि नेहा के माता-पिता ने उन्हें रिजेक्ट कर दिया था लेकिन बाद में करण जौहर की बात से हम दोनों फिर करीब आए । मनीष पॉल के साथ एक लेटेस्ट पॉडकास्ट में, अंगद ने बताया कि कैसे उनकी दोस्ती नेहा के साथ रिश्ते में बदल गई और अंततः शादी में तब्दील हो गई। मनीष ने अंगद से कहा, तुम कुंवारे सोए और शादीशुदा होकर उठे। यह खबर अचानक रातोंरात फैल गई...जो वाकई चौंकाने वाली बात है। तो, तुम दोनों कब मिले थे?

साल 2013 में हुई थी दोनों की मुलाकात

अंगद बेदी और नेहा धूपिया ने पहली बार 2013 में रिलीज हुई पंजाबी फिल्म रंगीले में साथ काम किया था। इसके बाद उन्होंने 2014 में उंगली में फिर से साथ काम किया। मनीष पॉल के पॉडकास्ट पर बातचीत में अंगद ने बताया कि उंगली की शूटिंग के बाद नेहा ने उन्हें एक और प्रोजेक्ट के लिए फोन किया। उसी शूटिंग के दौरान अंगद ने नेहा से अपने दिल की बात कही। दिल्ली लौटने पर अंगद ने नेहा के माता-पिता से शादी का प्रस्ताव रखने की योजना बनाई, लेकिन उन्होंने उनका प्रस्ताव ठुकरा दिया।

नेहा के पिता ने कर दिया मना

उन्होंने बताया,मैंने नेहा से कहा,मैं कोई खास नहीं हूं, मेरे पास पैसे भी नहीं हैं, लेकिन अगर तुम मुझसे शादी करोगी,तो मैं कुछ बन जाऊंगा। नेहा ने कुछ नहीं कहा और बात को दूसरी दिशा में मोड़ दिया। उस फिल्म के बाद, मैं उनके घर गया और नेहा के माता-पिता से उनकी बेटी से शादी करने की इच्छा जताई। नेहा के पिता ने मुझसे कहा,तुम बहुत अच्छे इंसान हो,लेकिन तुम्हारे पास एक रुपया भी नहीं है,और तुम हमारी बेटी से शादी करना चाहते हो? मैंने उन्हें बताया कि मेरा यही इरादा है,और उन्होंने कहा,देखते हैं। फिर दोनों अलग-अलग हो गए। इस बीच जब अंगद एक बार सूरमा की शूटिंग के लिए पंजाब आए थे तो नेहा ने उन्हें दीवाली पार्टी के लिए इनवाइट किया। तब करण ने नेहा और अंगद से कहा कि दोनों साथ में अच्छे लगते हो। इसके बाद चीजें बदलने लगीं और दोनों ने फटाफट शादी कर ली।

नए गाने से ढिंचैक पूजा का रिकॉर्ड तोड़ रही हैं नेहा कक्कड़

नेहा कक्कड़ का नया गाना कैंडी शॉप-लॉलीपॉप इस वक्त यूट्यूब पर ट्रेंडिंग बना हुआ है। टोनी और नेहा के इस सिंगल को 2 दिन के अंदर ही मिलियन में व्यूज मिल चुके हैं।

हालांकि,इस बीच ही सिंगर के स्टेप्स लोगों के लिए सिर दर्द बन चुके हैं और नेहा कक्कड़ बुरी तरह से ट्रोल हो रही हैं। बॉलीवुड सिंगर नेहा कक्कड़ के एक गाने का खुमार फैंस के सिर से उतरता नहीं, उससे पहले ही उनका दूसरा गाना रिलीज हो जाता है। कोका कोला गाने के बाद वह अपना नया गाना लॉलीपॉप-कैंडी शॉप लेकर आई, जो दो दिन पहले ही यूट्यूब पर रिलीज हुआ है। नेहा कक्कड़ के नए गाने के लिरिक्स सुनने के बाद फैंस का माथा पूरी तरह से ठनक गया है। कैंडी शॉप गाने में नेहा कक्कड़ के डांस स्टेप को अश्लील बताते हुए यूजर्स उन पर देश की संस्कृति को खराब करने का इल्जाम लगा रहे हैं।

कैंडी शॉप आते ही यूट्यूब पर कर रहा है ट्रेंड

नेहा कक्कड़ का नया गाना कैंडी शॉप यूट्यूब पर आते ही छा चुका है। इस गाने को अभी तक यूट्यूब पर 22 मिलियन से ज्यादा दो दिन में व्यूज मिल चुके हैं और साथ ही ये सोशल मीडिया पर 19वें नंबर पर भी ट्रेंड हो रहा है। लॉलीपॉप-कैंडी शॉप गाने में नेहा कक्कड़ अकेले ही नहीं, बल्कि उनके छोटे भाई टोनी कक्कड़ भी नजर आ रहे हैं, जिन्होंने गाने को प्रोड्यूस भी किया है। गाने को देखने के बाद उन पर सेलेना गोमेज से लेकर कोरियन सिंगर्स के स्टाइल को कॉपी करने का आरोप लग रहा है। गाने में टोनी कक्कड़ ने मराठी लिरिक्स का भी इस्तेमाल किया है, लेकिन लॉलीपॉप शब्द का इतना ज्यादा इसमें इस्तेमाल हो गया है कि लोगों को गाने के लिरिक्स पल्ले ही नहीं पे रहे हैं। गाना तो लोग फिर भी लोग बर्दाश्त कर रहे हैं, लेकिन जिस तरह से नेहा कक्कड़ ने इसमें डांस किया है, उसे देखकर फैंस का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच चुका है। यहां तक कि कमेंट करते हुए कुछ यूजर्स उनकी तुलना ढिंचैक पूजा से कर रहे हैं।

अक्षय-आमिर खान को करीना कपूर ने किया किस,जलकर धूं-धूं हुआ सैफ अली खान का दिल

सैफ अली खान और करीना कपूर की शादी को 13 साल हो चुके हैं। साल 2012 में ओमकारा एक्टर ने धूमधाम से 10 साल छोटी बेबो से शादी की थी। हाल ही में सैफ अली खान ने करीना कपूर को शुरुआत में डेट करने के बाद उनके को-स्टार्स से वह कितने इनसिक्योर होते थे, इस बारे में बताया। करीना कपूर और सैफ अली खान बॉलीवुड के वह कपल हैं, जिन्हें फैंस काफी एडमायर करते हैं। दोनों की लव स्टोरी साल 2008 में टशन के सेट पर शुरू हुई थी और तकरीबन 5 साल की डेटिंग के बाद कपल ने शादी 2012 में शादी कर ली थी।

सैफ अली खान को डेट करने से पहले करीना कपूर, कबीर सिंह एक्टर शाहिद कपूर को डेट कर रही थीं। बेबो तो कई मौकों पर सैफ अली खान की तारीफों के पुल बांधती हुई दिखाई दीं, लेकिन अब हाल ही में सैफ ने करीना की सराहना करते हुए उन्हें शानदार महिला बताया, लेकिन साथ ही ये भी स्वीकार किया कि जब वह करीना को डेट कर रहे थे, तो दूसरे एक्टर्स के साथ बेबो की करीबी देखकर उन्हें बहुत जलन होती थी।

दूसरे एक्टर्स के साथ देखकर जल उठते थे सैफ अली खान

करीना कपूर और सैफ अली खान दोनों इंडस्ट्री के जाने-माने कलाकार हैं। दोनों को ही स्क्रिप्ट की डीमांड के मुताबिक,स्क्रीन पर एक्ट करना पड़ता है। अक्षय कुमार-आमिर खान और शाहिद कपूर जी कई सितारों के साथ स्क्रीन पर करीना कपूर ने किसिंग सीन दिए हैं। हाल ही में सैफ अली खान ने द हॉलीवुड रिपोर्टर से बातचीत के दौरान बताया कि जब भी शुरुआती डेटिंग पीरियड में करीना कपूर को किसी और के साथ देखते थे, तो उन्हें बहुत जलन होती थी। सैफ ने कहा, शुरुआत में मैं बहुत सहज नहीं था। थोड़ा जलन महसूस करता था। समझ नहीं पाता था कि करीना का दूसरे पुरुषों के साथ काम करना कैसे संभालूं। जब रिश्ता नया हो और इनसिक्योरिटी हो, तो चीजें मुश्किल हो जाती हैं। इन भावनाओं को मैच्योरिटी से संभालना पड़ता है। मैं सोचता था मेरे प्रतिद्वंद्वी उसके दोस्त होंगे यह कैसे हो सकता है? लेकिन प्यार सब पर जीत हासिल कर लेता है।

सैफ अली खान ने की हैं दो शादियां

सैफ ने इस इंटरव्यू में आगे बताया, यह सब मेरे लिए नया था। इसके लिए आपसी भरोसा और विश्वास बेहद जरूरी होता है। जब रिश्ते में इनसिक्योरिटी हो,तो चीजें जटिल हो जाती हैं। आम तौर पर मैं उन ले कियों के साथ जाता था,जिनका फिल्मों से कोई लेना-देना नहीं था। करीना कपूर की तारीफ करते हुए सैफ ने आगे कहा, ÷वह काम करने में सक्षम हैं और जो भी जिंदगी में करना चाहती हैं, कर सकती हैं। वह एक्टर और स्टार बनना चाहती थीं,जो उनकी प्रेरणा थी,लेकिन दूसरी और वह एक मां और पत्नी एक होममेकर भी बनना चाहती थीं। रोमांटिकली एक एनर्जी के रूप में ये अच्छा भी है, जब दो लोग सेम चीजें चाहते हैं,लेकिन उनका रोल थोड़ा अलग-अलग होता है। आपको बता दें कि सैफ अली खान की पहली शादी अमृता सिंह से हुई थी,जो उनसे उम्र में 12 साल बड़ी थीं, लेकिन 2004 में उनका तलाक हो गया। उसके बाद उनकी जिंदगी में करीना आईं,जो सैफ से 10 साल छोटी हैं

बीवी के साथ रोमांटिक हो रहे थे सलमान खान के एक्स जीजा,नीचे से फट गई पैंट,एक्टर की शादी का मजेदार किस्सा

शादी में कई मेमोरी बन जाती हैं, जिन्हें जिंदगी भर नहीं भुला पाते और उन्हें याद करके हंस पे ते हैं। कुछ ऐसा ही फुकरे एक्टर पुलकित सम्राट के साथ भी हुआ था,जब वह अपनी दूसरी पत्नी के साथ एक रोमांटिक रिहर्सल करने की तैयारी में थे और उनकी पैंट नीचे से फट गई। इस किस्से को खुद कृति खरबंदा ने शेयर किया है। शादी में गे बे न हो, तो वह बिल्कुल अधूरी सी लगती है। कभी किसी का लहंगा लूज होता है,तो कभी ज्वेलरी मिसिंग। हालांकि,हमें ऐसा लगता है कि ये कहानी सिर्फ आम इंसान की है,लेकिन आपके दिल को शायद ये जानकर सुकून मिलेगा कि बॉलीवुड सितारों की शादी में भी ऐसा होता है। शादी तस्वीरों में जितनी सुंदर दिखती है, कई बार उसके पीछे की सच्चाई अलग होती है। ऐसा ही कुछ हुआ था अभिनेता पुलकित सम्राट की शादी में भी,जब रिसेप्शन से ठीक पहले सलमान खान के एक्स जीजा की पैंट चर से फट गई। ये किस्सा खुद पुलकित की दूसरी वाइफ ने सुनाया है।

रोमांटिक रिहर्सल करते हुए फटी थी पैंट

साल 2024 में कृति खरबंदा और पुलकित सम्राट ने लंबे समय तक एक दूसरे करने के बाद शादी की थी। रिसेप्शन से पहले पुलकित की पैंट फट गई थी।एक किस्सा सुनाते हुए कृति बताती हैं कि हम दोनों पहला डांस करने वाले थे। रोमांटिक पल था, हम रिहर्सल कर रहे थे और पुलकित की पैंट फट गई थी। मुझे हंसी आई । मैं स्टाइलिस्ट के पास गई और उनके कहा कि पैंट फट गई है। उन्होंने कहा पता नहीं क्यों मुझे ऐसा लग रहा था, मेरे पास दूसरी पैंट तैयार है।मैं उस दिन के बाद से सभी लोगों को कहती हूं कि डांस की प्रैक्टिस एक बार उन कपड़ों में करें, जिसमें शादी होने वाली है।

24 घंटे लोगों को खाना खिलाने की पुलकित की इच्छा

आगे कृति ने बताया कि शादी में खाने पर मैंने समझौता नहीं किया था, क्योंकि उसकी वजह से ही मुझे पुलकित से और प्यार हो गया था। दरअसल, शादी से पहले मैं और पुलकित बांद्रा में कार से जा रहे थे, बगल से एक महंगी गाड़ी गुजरी। मैंने पूछा कि जब तुम्हारे पास पैसे आ जाएंगे, तो तुम क्या करोगे? इस पर उन्होंने कहा कि एक गुरुद्वारा बनाऊंगा, जहां हर किसी को 24 घंटे खाना मिल सके। पुलकित सम्राट ने दो शादियां की हैं। उनकी पहली शादी सलमान खान की मुंहबोली बहन श्वेता रोहिरा से साल 2014 में हुई थी, लेकिन 2015 में दोनों का तलाक हो गया। इसके बाद 15 मार्च 2024 में उन्होंने एक्ट्रेस कृति खरबंदा के साथ शादी की।

खेल समाचार

विश्वनाथन आनंद छह साल के ब्रेक के बाद फिर से मुकाबला करने के लिए तैयार

नई दिल्ली,17 दिसम्बर 2025। विश्वनाथन आनंद,जो कभी शतरंज के बादशाह थे, फिर से मुकाबला करने की तैयारी कर रहे हैं। शतरंज के यह दिग्गज छह साल के गैप के बाद अपने पहले गेम से फैंस का मनोरंजन करेंगे। विश्वनाथन टाटा स्टील चेस इंडिया टूर्नामेंट में अपने शिष्य डी. गुकेश के खिलाफ खेलेंगे। अगले साल जनवरी में अपनी धरती पर होने वाले इस मेगा इवेंट में दोनों के बीच मुकाबले को लेकर पहले से ही काफी दिलचस्पी है। चूंकि आनंद 2019 के बाद रिंग में उतर रहे हैं, इसलिए उनसे बहुत उम्मीदें हैं। टाटा स्टील चेस इंडिया 2025 टूर्नामेंट अगले साल की शुरुआत में बंगाल के धानो धानो ऑडिटोरियम में होगा। आनंद गुकेश और कई इंटरनेशनल ग्रैंडमास्टर इसमें हिस्सा लेंगे। हालांकि, छह साल के ब्रेक के बाद आनंद के मैच में सभी की दिलचस्पी है। आनंद ने मीडिया से कहा,मैं अपने देश में होने वाले इस मेगा टूर्नामेंट में युवाओं के साथ खेलने के लिए बहुत उत्साहित हूं। स्टील चेस इंडिया टूर्नामेंट में ओपन, रैपिड और ब्लिट्ज फॉर्मेट होंगे। चूंकि पुरुष और महिला दोनों कैटेगरी में मुकाबले होंगे,इसलिए दोनों कैटेगरी के विजेताओं को बराबर प्राइज मनी दी जाएगी। भारत से आर. प्रज्ञानानंद,अर्जुन एरिगैसी, विदित गुजराती,अरविंद चिदंबरम, दिव्या देशमुख,डी. हरिका, आर वैशाली,वंतिका अग्रवाल और रक्षिता रवि मुकाबले की तैयारी कर रहे हैं। विदेशियों में वेई यी, वेस्ली सो,हंस नीमन,वोलोडार मुर्ज़िन,एलेक्जेंड्रा गोरियाचकिना, कैटरीना लैग्नो और नाना जगनिद्ज़े शामिल हैं।

वरुण चक्रवर्ती भारत के हाईएस्ट रेटिंग वाले बॉलर

» 818 पॉइंट्स हासिल किए
» रोहित-कोहली वनडे रैंकिंग में टॉप-2 पर बरकरार

नई दिल्ली,17 दिसम्बर 2025। वरुण चक्रवर्ती टी-20 रैंकिंग में 818 रेटिंग पॉइंट्स के साथ भारत के सबसे ज्यादा रेटिंग पाने वाले गेंदबाज बन गए हैं। बुधवार को जारी वनडे रैंकिंग में रोहित शर्मा और विराट कोहली पहले और दूसरे स्थान पर बरकरार हैं।

34 साल के वरुण इस साल सितंबर में पहली बार बॉलर्स रैंकिंग में टॉप पर पहुंचे थे। शानदार फॉर्म में चल रहे वरुण ने हाल ही में साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीसरे मैच में दो विकेट लेकर भारत के लिए टी-

20 में 50 विकेट पूरे किए और वे यह उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे सबसे तेज भारतीय गेंदबाज बने।

हालांकि, मेंस टी 20 इंटरनेशनल में ओवरऑल सबसे ज्यादा रेटिंग का रिकॉर्ड पाकिस्तान के उमर गुल के नाम है, जिन्होंने 865 रेटिंग पॉइंट्स हासिल किए थे।

वरुण 51 विकेट ले चुके

वरुण अब तक 32 टी-20 इंटरनेशनल मैचों में 51 विकेट ले चुके हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 5/17 का रहा है। मौजूदा साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी-20 सीरीज में भी वे तीन मैचों में 6 विकेट लेकर टॉप विकेट-टेकर बने हुए हैं। बॉलर्स रैंकिंग में भारत को एक और फायदा मिला है, जहां अर्शदीप सिंह चार स्थान की छलांग लगाकर 16वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

अभिषेक शर्मा टॉप टी-20 बैटर

बल्लेबाजों की टी-20 रैंकिंग में अभिषेक शर्मा नंबर-1 पर बने हुए हैं। उनके नाम अब 909 रेटिंग पॉइंट्स हैं। वहीं तिलक वर्मा ने दो स्थान की छलांग लगाते हुए चौथा स्थान हासिल कर लिया है और उनके 774 रेटिंग पॉइंट्स हो गए हैं।

वनडे बैटर्स रैंकिंग रोहित-कोहली टॉप पर

वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में भारतीय बल्लेबाजों का दबदबा कायम है। रोहित शर्मा टॉप पर बने हुए हैं, जबकि विराट कोहली दूसरे स्थान पर हैं। इसी सूची में शुभमन गिल पांचवें और श्रेयस अय्यर दसवें पायदान पर मौजूद हैं।

ऑलराउंडर्स रैंकिंग में दुबे को फायदा

ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में पाकिस्तान के सईम अयूब टॉप पर बने हुए हैं। वहीं भारतीय ऑलराउंडर शिवम दुबे ने दो स्थान की छलांग लगाते हुए 16वां स्थान हासिल कर लिया है।

खेल मंत्री मंडाविया ने वर्ल्ड कप विजेता भारतीय स्क्वैश टीम को सम्मानित किया

नई दिल्ली,17 दिसम्बर 2025। केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने बुधवार को ऐतिहासिक वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय स्क्वैश टीम को सम्मानित किया। जोशना चिनप्पा, अभय सिंह, वेलवन सेंथिलकुमार और अनाहत सिंह की मिक्स्ड टीम ने पिछले शनिवार को चेन्नई में इतिहास रचा था। इस जीत के साथ भारत ने पहली बार स्क्वैश वर्ल्ड कप का खिताब जीता, जो 2023 एडिशन में मिले ब्रॉन्ज मेडल से बेहतर प्रदर्शन था। भारत ने टूर्नामेंट के फाइनल में टॉप सीडेड हांगकांग को 3-0 से हराया और स्क्वैश वर्ल्ड कप जीतने वाला चौथा देश बन गया,जो ऑस्ट्रेलिया,इंग्लैंड और मिस्र जैसे देशों की एलीट लिस्ट में शामिल हो गया। खिलाड़ियों को बधाई देते हुए मंडाविया ने कहा कि यह भारतीय खेल के लिए गर्व का पल है। उन्होंने कहा,भारत खेल के क्षेत्र में बहुत अच्छा कर रहा है। एक के बाद एक, हम नए मुकाम हासिल कर रहे हैं। हमारी महिला क्रिकेट टीम ने भी हाल ही में वर्ल्ड कप जीता है। मंत्री ने आगे कहा, हमारी स्क्वैश टीम का अपनी धरती पर वर्ल्ड कप जीतना बहुत गर्व का पल है। टीम ने पूरे टूर्नामेंट में एक भी मैच नहीं हारा। मुझे खुशी है कि खेल क्षेत्र का यह विकास देश के लिए और भी गौरव लाएगा। भारत के टॉप स्क्वैश खिलाड़ियों को टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम का भी फायदा मिला है, जिसने लगातार हाई-परफॉर्मेंस इनपुट, इंटरनेशनल एक्सपोजर और एक्सपर्ट गाइडेंस के ज़रिए उनकी तैयारी को मज़बूत करने में अहम भूमिका निभाई है।

श्रीलंका वर्ल्ड कप के लिए पूर्व भारतीय क्रिकेटर को कोच नियुक्त किया

नई दिल्ली,17 दिसम्बर 2025। टी 20 वर्ल्ड कप नज़दीक आने के साथ ही श्रीलंका बोर्ड ने एक अहम फैसला लिया है। उसने पूर्व भारतीय कोच आर श्रीधर को श्रीलंका का फील्डिंग कोच नियुक्त किया है, जो अपने घर में कप जीतने के लिए उत्सुक है। वह वर्ल्ड कप टूर्नामेंट खत्म होने तक फील्डिंग कोच बने रहेंगे। यह बात बुधवार को एक्स-वेदिका ने बताई। श्रीधर, जिन्होंने सात साल तक टीम इंडिया के कोच के तौर पर काम किया है, अब श्रीलंकाई क्रिकेटरों को स्किल्स सिखाने में व्यस्त रहेंगे।

मेज़बान श्रीलंका एक छोटे वर्ल्ड कप के लिए तैयारी कर रहा है। श्रीलंका, जो भारत के साथ मिलकर इस मेगा टूर्नामेंट की मेज़बानी करेगा, उसने अपने खिलाडियों के फील्डिंग स्टैंडर्ड को बेहतर बनाने के लिए पूर्व भारतीय टीम के कोच आर श्रीधर से संपर्क किया है। उनके पास फील्डिंग कोच के तौर पर काफी अनुभव है और उनसे वर्ल्ड कप खत्म होने तक कोच बने रहने के लिए कहा गया है। श्रीधर ने श्रीलंका क्रिकेट द्वारा उन्हें कोच नियुक्त किए जाने पर खुशी ज़ाहिर की।

11 माओवादी कैडरों ने किया सरेंडर 37 लाख का घोषित था इनाम

रायपुर, 17 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ में एक बार फिर माओवादी संगठन को बड़ा झटका लगा है। नारायणपुर में 'पूना मारगेम - पुनर्वास से पुनर्जीवन' के तहत 11 माओवादी कैडरों ने हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में वापसी की है। सरेंडर माओवादियों में 6 पुरुष और 5 महिला माओवादी शामिल हैं। इन पर 37 लाख का इनाम घोषित था। नारायणपुर एसपी रॉबिनसन गुड़िया के समक्ष सभी नक्सलियों ने सरेंडर किया। आत्मसमर्पण करने वालों में 3 मिलिट्री कम्पनी सदस्य, एक एसीएम और 7 पीएम शामिल हैं। बता दें कि वर्ष 2025 में नारायणपुर जिले में कुल 298 माओवादी कैडर सरेंडर कर चुके हैं। आत्मसमर्पित माओवादियों को 50-50 हजार की प्रोत्साहन राशि का चेक दिया गया।

बिलासपुर में 12000 रुपए रिश्वत लेते पकड़ाई सीएमओ

नक्शा पास कराने के एवज में मांगे पैसे, प्राइवेट असिस्टेंट के जरिए रिश्वत की वसूली, दोनों अरेस्ट

बिलासपुर, 17 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में एसीबी की टीम ने नगर पालिका बोदरी की सीएमओ और क्लर्क को 12000 रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। सीएमओ क्लर्क के जरिए रिश्वत ले रही थी। नक्शा पास कराने के लिए उसने पीड़ित से पैसों की डिमांड की थी, जिस पर एसीबी ने ट्रैप कर गिरफ्तार किया है। दरअसल, सरकंडा के नूतन चौक निवासी वेदराम निर्मलकर ने एसीबी को शिकायत में बताया कि, बोदरी में उसकी जमीन है, जिस पर वो मकान बनाना चाहता है। उसने नगर पालिका कार्यालय में नक्शा पास करने के एवज में 20000 रुपए के डिमांड ड्राफ्ट के साथ 47257 रुपए का अन्य फीस पटाने के लिए उसे कार्यालय के बाबू सुरेश सिहोरे ने कहा है। अलग से रिश्वत के तौर 15000 रुपए की डिमांड की। नगर पालिका बोदरी में पदस्थ सीएमओ भारती साहू के खिलाफ लगातार शिकायतें मिल रही थीं। नगर पालिका अध्यक्ष सहित पार्षद स्थानीय लोग उनकी अवैध वसूली और मनमाने काम से परेशान थे। बताया जा रहा है कि वो हर काम के लिए पैसों की डिमांड करती थी। बताया जा रहा है कि सीएमओ भारती साहू ने हर काम के लिए रेट तय कर दिया था। वो बिना पैसे के नक्शा पास भी नहीं करती थी। नक्शा पास कराने के लिए उसने स्थानीय व्यक्ति से पैसे की मांग की, वो पैसे नहीं देना चाहता था।

शीतकालीन सत्र...नेशनल हेराल्ड मामले में विपक्ष का हंगामा

भूपेश बोले-केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग हो रहा...चंद्राकर ने कहा-दावे निराधार

रायपुर, 17 दिसम्बर 2025। शीतकालीन सत्र के आखिरी दिन की कार्यवाही की शुरुआत नेशनल हेराल्ड मामले को लेकर हंगामेदार रही। सदन शुरू होते ही कांग्रेस विधायकों ने सत्यमेव जयते लिखी तख्तियां लेकर नारेबाजी शुरू कर दी। स्पीकर ने तख्तियों के साथ सदन में बैठने की अनुमति नहीं दी, जिसके बाद विपक्ष लगातार नारेबाजी करता रहा। हंगामे के चलते सदन की कार्यवाही दो बार 10-10 मिनट के लिए स्थगित करनी पड़ी। इस दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस देखने को मिली। नेता प्रतिपक्ष भूपेश बघेल ने जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए सरकार को घेरा। वहीं मंत्री अजय चंद्राकर ने इन आरोपों पर कड़ी आपत्ति जताई और विपक्ष के दावों को निराधार बताया। विपक्ष की ओर से जांच एजेंसियों के कथित दुरुपयोग को लेकर स्थगन प्रस्ताव लाया गया, लेकिन आसंदी ने इसे अस्वीकार कर दिया। सदन में हालात उस वक्त और गरमा गए जब सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने आ गए। विपक्ष की ओर से सत्यमेव जयते के नारे लगाए गए, जबकि सत्ता पक्ष ने वंदे मातरम के नारे लगाकर जवाब दिया।

विधानसभा में नेशनल हेराल्ड मुद्दे पर कांग्रेस का प्रदर्शन

छत्तीसगढ़ विधानसभा के शीतकालीन सत्र का चौथे दिन की सदन की कार्यवाही शुरू हो चुकी है। सत्र शुरु होने से पहले कांग्रेस नेताओं ने नेशनल हेराल्ड मामले में विरोध जताया। कांग्रेसियों ने हाथों में सत्यमेव जयते की तख्ती लेकर सदन में प्रवेश किया। इनमें पूर्व सीएम भूपेश बघेल, नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत सहित सभी विपक्षी विधायक तख्ती लेकर पहुंचे थे। कांग्रेस विधायकों के पोस्टर प्रदर्शन को लेकर शीतकालीन सत्र के चौथे सदन की शुरुआत में ही जमकर हंगामा हुआ। इस वजह से सदन की कार्यवाही 5 मिनट के लिए स्थगित करनी पड़ी। सदन में दोनों पक्षों ने एक दूसरे के खिलाफ गांधी परिवार और अडाणी के दलालों चाटूकारों हाय हाय के नारे लगाए। अध्यक्ष रमन सिंह ने सदन में बैनर पोस्टर प्रदर्शन न करने की व्यवस्था दी। कांग्रेस के विधायकों को बाहर उतार कर आने कहा लेकिन विपक्षी विधायकों ने ऐसा नहीं किया। सत्र में राज्य के प्रतिभावान राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों को प्रोत्साहन राशि नहीं दिए जाने का मुद्दा गूंजेगा। वहीं सदन में वंदेमातरम् को लेकर भी चर्चा के साथ ही याचिकाओं की प्रस्तुति, शासकीय विधि विधेयक कार्य पर मंथन किया जायेगा।

स्पीकर ने विपक्ष के अमर्यादित व्यवहार पर जताई नाराजगी

प्रश्नकाल की कार्यवाही बाधित होने पर स्पीकर डॉ. रमन सिंह ने कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने विपक्षी सदस्यों के अनुचित व्यवहार की निंदा करते हुए कहा कि लोकहित से जुड़े विषयों पर सदन की कार्यवाही को बाधित करना निंदनीय है। स्पीकर ने कहा कि विपक्षी सदस्य सदन की कार्यवाही और संसदीय परंपराओं के जानकार हैं, इसके बावजूद उनका यह आचरण अमर्यादित है। उन्होंने कहा कि आगे ऐसा व्यवहार न दोहराया जाए, यह अब विपक्षी सदस्यों के विवेक पर छोड़ते हैं।

शराब घोटाला मामला...2 दिनों तक ईडी की कस्टडी में रहेगी सौम्या चौरसिया, पूछताछ में हो सकते हैं बड़े खुलासे

रायपुर, 17 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाला मामले में एक बार फिर बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। राज्य प्रशासनिक सेवा की निलंबित अधिकारी सौम्या चौरसिया को प्रवर्तन निदेशालय ने विशेष अदालत में पेश किया। जहां एजेंसी ने उनसे पूछताछ के लिए कोर्ट से 3 दिन की कस्टोडियल रिमांड मांगी थी। विशेष अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद ईडी को यह रिमांड दी है। रिमांड अवधि समाप्त होने के बाद शुक्रवार को दोपहर 3:30 बजे सौम्या चौरसिया को फिर से ईडी की विशेष अदालत में पेश किया जाएगा। बता दें कि ईडी ने अदालत में दलील दी कि शराब घोटाले की जांच में कई अहम आर्थिक लेन-देन, हवाला नेटवर्क और डिजिटल साक्ष्य सामने आए हैं,

जिनकी तह तक जाने के लिए कस्टोडियल पूछताछ आवश्यक है। इसी आधार पर ईडी ने रिमांड की मांग की थी। ईडी के अनुसार, यह मामला करीब 3200 करोड़ रुपये के शराब घोटाले से जुड़ा है। आरोप है कि वर्ष 2019 से 2023 के बीच तत्कालीन कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में राज्य की शराब नीति में बदलाव कर चहेती कंपनियों को लाभ पहुंचाया गया। लाइसेंस की शर्तें इस तरह बनाई गईं कि चुनिंदा कंपनियों को ही काम मिल सके।

नकली होलोग्राम और टैक्स चोरी : जांच में सामने आया है कि इन कंपनियों ने नोएडा की एक फर्म के जरिए नकली होलोग्राम और सील तैयार करवाई। इन्हीं नकली होलोग्राम लगी महंगी शराब की बोतलों को सरकारी दुकानों के माध्यम से बेचा गया। चूंकि होलोग्राम फर्जी थे, इसलिए बिक्री की पूरी जानकारी शासन के सिस्टम में दर्ज नहीं हो सकी और बिना एक्साइज टैक्स दिए शराब की बिक्री होती रही। इससे राज्य सरकार को करीब 2165 करोड़ रुपये के राजस्व का नुकसान हुआ।

निजी स्कूलों में आरटीई से प्रवेश अब केवल कक्षा 1 में ही, फैसले का आरटीई एक्टिविस्ट ने किया समर्थन तो निजी स्कूलों के संगठन ने जताई आपत्ति

रायपुर, 17 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के निजी स्कूलों में आरटीई में प्रवेश केवल कक्षा 1 में ही मिल सकेगा। इस संबंध में डीपीआई के 4 नवंबर के प्रस्ताव पर स्कूल शिक्षा विभाग ने मंजूरी दे दी है। उप सचिव नीलम टोप्पो ने डीपीआई को भेजे आदेश में कहा कि आरटीई की धारा 12 1 ग में संशोधन किया गया है। इसके मुताबिक राज्य में निजी विद्यालयों द्वारा कक्षा पहली में प्रवेश की मांग की थी। इस प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई है। सरकार के इस फैसले का ऋक्षश्च एक्टिविस्ट विकास तिवारी ने समर्थन किया है, तो वहीं निजी स्कूलों के संगठन ने विरोध किया है। अब तक आरटीई (शिक्षा का अधिकार) के तहत एडमिशन मुख्य रूप से प्राइवेट स्कूलों की प्रवेश-स्तर की कक्षाओं में होते रहे हैं, जो आमतौर पर नर्सरी, केजी-1, केजी-2 या कक्षा 1 होती है, ताकि कमजोर वर्ग के बच्चों को पहली कक्षा से 8वीं कक्षा तक मुफ्त शिक्षा मिल सके। छत्तीसगढ़ में शिक्षा का अधिकार कानून के तहत सिर्फ कक्षा पहली में प्रवेश का निर्णय लिया गया है। शिक्षा विभाग के इस फैसले पर छत्तीसगढ़ प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन ने आपत्ति जताई है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2023-2025-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)